Sarada to Devanagari transliteration

Prana Pratishtha

CC0. Dogra Art Museum Jammu

Page 1 Slokas L01.01 to L01.10

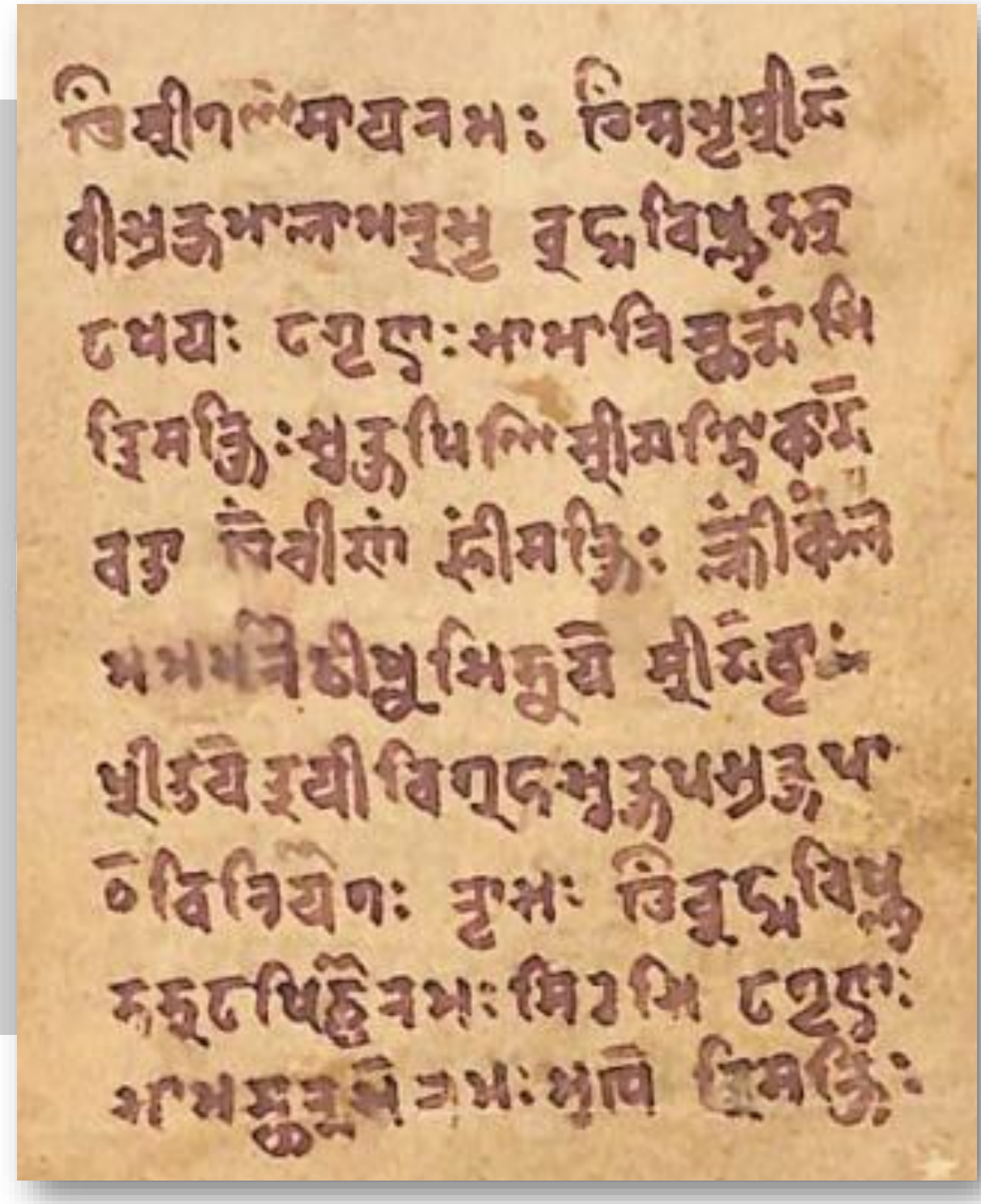

Sarada to Devanagari transliteration

Date	15th July, 2020

L01.01	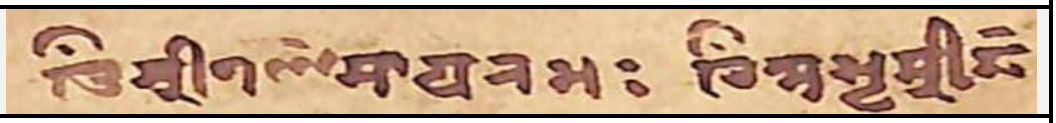
A01.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ॐ श्री ग णे शा य न मः ॐ अ स्य श्री दे-
B01.01	ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ अस्य श्री दे-
L01.02	
A01.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 वी सू क्त मा ला म न्त्र स्य ब्र ह्म वि ष्णु रु द्र-
B01.02	वीसूक्तमालामन्त्रस्य ब्रह्मविष्णुरुद्र
L01.03	
A01.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ऋ ष यः ऋ ग्य जुः सा मा नि च्छ न्दां सि
B01.03	ऋषयः ऋग्यजुः सामानि च्छन्दांसि
L01.04	
A01.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 त्रि श क्तिः स्व रू पि णि श्री च ण्डि का दे
B01.04	त्रिशक्तिः स्वरूपिणि श्री चण्डिका दे
L01.05	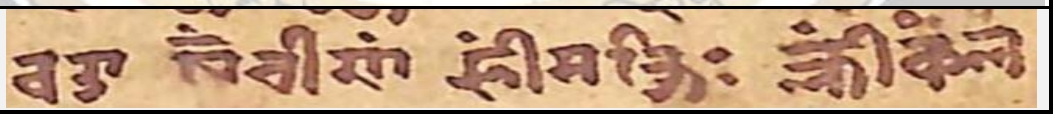
A01.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 व ता ऐं बी जं ह्रीं श क्तिः क्लीं कं ल
B01.05	वता ऐं बीजं ह्रीं शक्तिः क्लीं कं ल

Sarada to Devanagari transliteration

Date	15th July, 2020 (continued…)

L01.06	
A01.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 म म म नो भी ष्ट सि द्ध ये श्री दे व्याः
B01.06	मम मनोऽभीष्टसिद्धये श्रीदेव्याः
L01.07	
A01.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 प्री त ये त्र यी वि ग्र ह स्व रू प सू क्त पा-
B01.07	प्रीतये त्रयीविग्रहस्वरूपसूक्तपा-
L01.08	
A01.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ठे वि नि यो गः न्या सः ॐ ब्र ह्म वि ष्णु
B01.08	ठे विनियोगः न्यासः ॐ ब्रह्मविष्णु
L01.09	
A01.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 रु द्र- ऋ षि भ्यो न मः शि र सि ऋ ग्य जुः
B01.09	रुद्र-ऋषिभ्यो नमः शिरसि ऋग्यजुः
L01.10	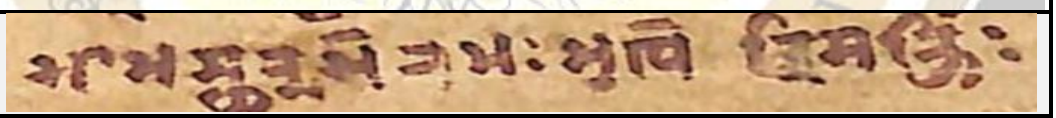
A01.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 सा म च्छ न्द से न मः मु खे त्रि श क्तिः
B01.10	सामच्छन्दसे नमः मुखे त्रिशक्तिः

Date	15th July 2020 (continued…)

Notes	1. Version – 3: a. ॐ श्रीगणेशाय नमः। ॐ अस्य श्री देवीसूक्तमालामन्त्रस्य ब्रह्मविष्णुरुद्र-ऋषयः ऋग्यजुःसामानि च्छन्दांसि त्रिशक्तिः स्वरूपिणि श्रीचण्डिका देवता ऐं बीजं ह्रीं शक्तिः क्लीं कं ल मम मनोऽभीष्टसिद्धये श्रीदेव्याः प्रीतये त्रयीविग्रहस्वरूपसूक्तपाठे विनियोगः। न्यासः - ॐ ब्रह्मविष्णुरुद्रऋषिभ्यो नमः। शिरसि ऋग्यजुःसामच्छन्दसे नमः मुखे त्रिशक्तिः -

Page 2 Slokas L02.01 to L02.10

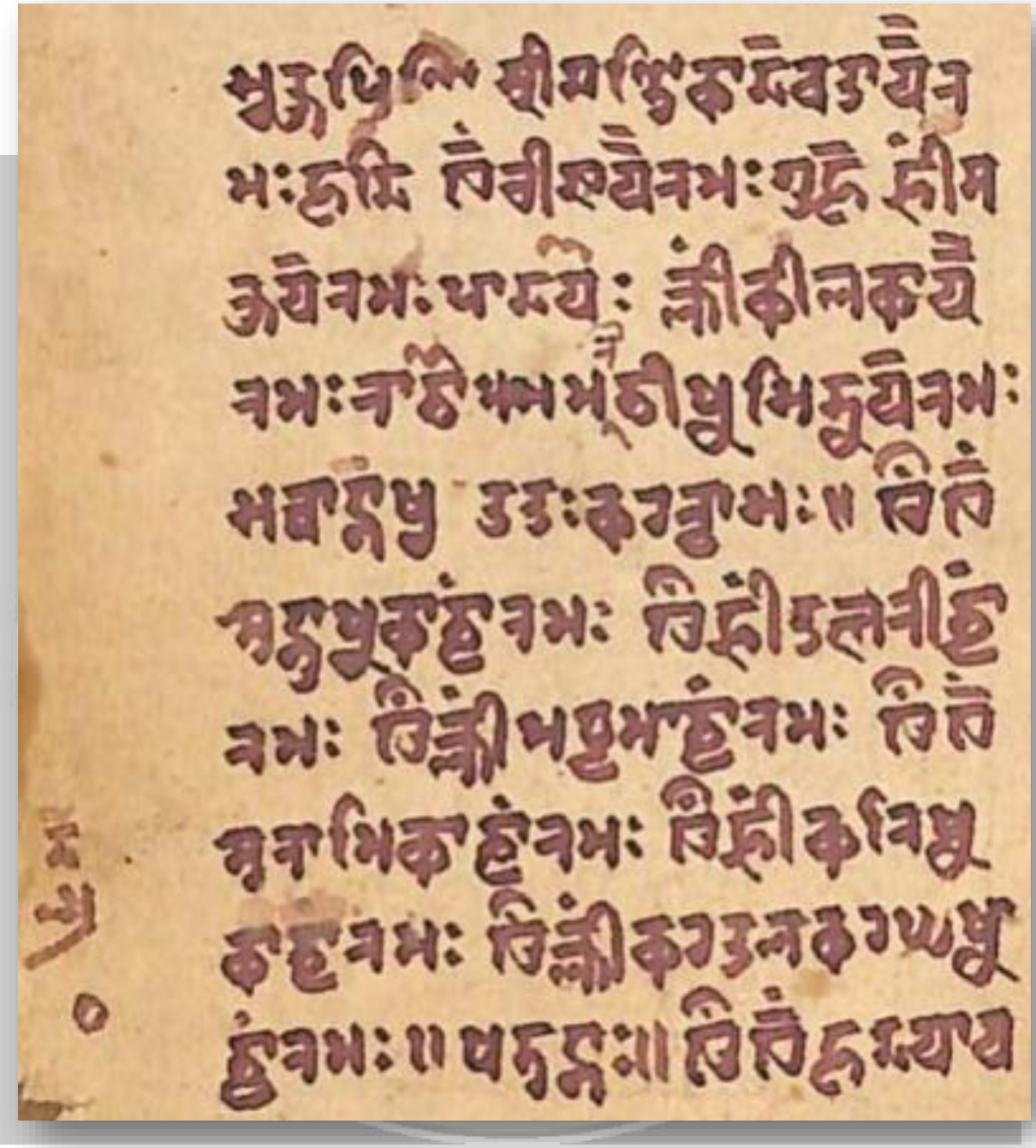

Date	16th July, 2020

L02.01	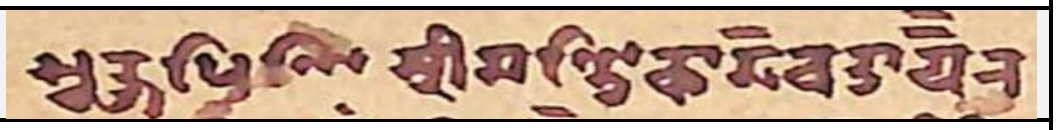
A02.01	1 स्व 2 रू 3 पि 4 णि 5 श्री 6 च 7 ण्डि 8 का 9 दे 10 व 11 ता 12 यै 13 न
B02.01	स्वरूपिणि श्री चण्डिका देवतायै न-
L02.02	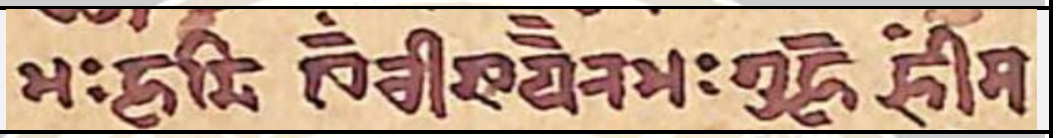
A02.02	1 म: 2 ह्य 3 दि 4 ऐं 5 बी 6 जा 7 यै 8 न 9 म: 10 गु 11 ह्ये 12 ह्रीं 13 श
B02.02	मः हृदि ऐं बीजायै नमःगुह्ये ह्रीं श-
L02.03	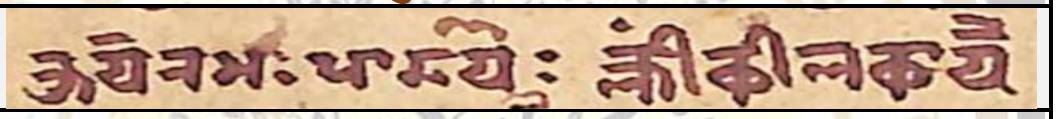
A02.03	1 क्त 2 ये 3 न 4 म: 5 पा 6 द 7 यो: 8 क्लीं 9 की 10 ल 11 का 12 यै
B02.03	क्तये नमः पादयोः क्लीं कीलकायै
L02.04	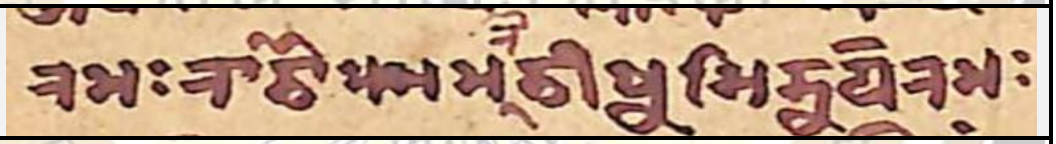
A02.04	1 न 2 म: 3 ना 4 भौ 5 म 6 म 7 म 8 नो 9 भी 10 ष्ट 11 सि 12 द्ध 13 ये 14 न 15 म:
B02.04	नमः नाभौ मम मनोभीष्टसिद्धये नमः
L02.05	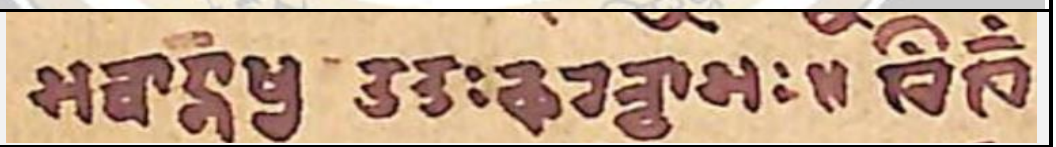
A02.05	1 स 2 र्वा 3 ङ्गे 4 षु 5 त 6 त: 7 क 8 र 9 न्या 10 स: 11 ॥ 12 ॐ ऐं
B02.05	सर्वाङ्गेषु ततः करन्यासः ॐ ऐं

Date	16th July, 2020 (continued…)

L02.06	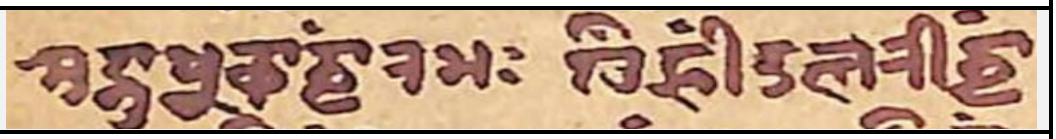
A02.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 अ इंगु ष्ठ का भ्यां न मः ॐ ह्रीं त र्ज नी भ्यां
B02.06	अङ्गुष्ठकाभ्यां नमः ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां
L02.07	
A02.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 न मः ॐ क्लीं म ध्य मा ध्यां न मः ॐ ऐं
B02.07	नमः ॐ क्लीं मध्यमाभ्यां नमः ॐ ऐं
L02.08	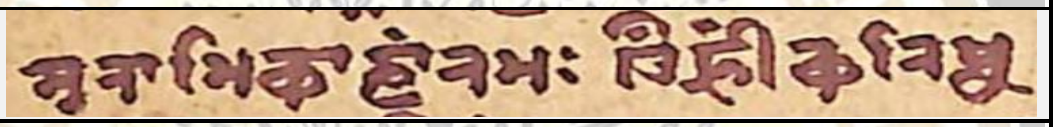
A02.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 अ ना मि का भ्यां न मः ॐ ह्रीं क नि ष्ठ
B02.08	अनामिकाभ्यां नमः ॐ ह्रीं कनिष्ठ-
L02.09	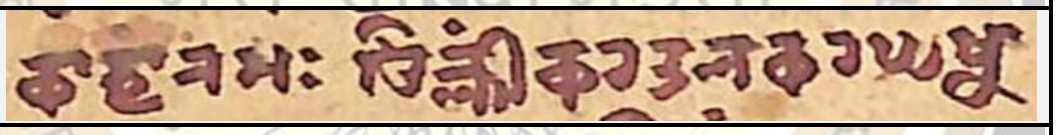
A02.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 का भयां न मः ॐ क्लीं क र त ल क र पृ ष्ठा
B02.09	काभ्यां नमः ॐ क्लीं करतलकरपृष्ठा-
L02.10	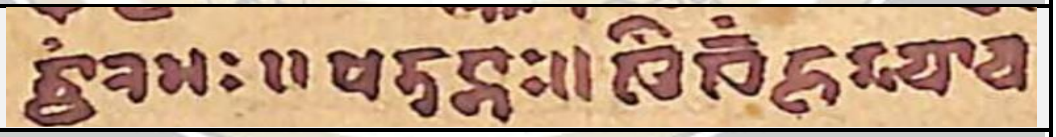
A02.10	1 2 3 ॥ 4 5 6 ॥ 7 8 9 10 11 12 भ्यां न मः ॥ ष ड इंगः ॥ ॐ ऐं हृय द या य
B02.10	भ्यां नमः॥षडङ्गः॥ ॐ ऐं हृदयाय

Date	16th July 2020 (continued…)

Notes	1. Line **02.01** is continuing from Line **01.10** 2. Line **02.08** - **कनिष्ठिकाभ्यां** will be correct when compared to **कनिष्ठभ्याम्** 3. Line **02.10** continues to Line **03.01** 4. Version – 3: a. **स्वरूपिणि श्री चण्डिका देवतायै नमः। हृदि ऐं बीजायै नमः। गुह्ये ह्रीं शक्तये नमः। पादयोः क्लीं कीलकायै नमः। नाभौ मम मनोभीष्टसिद्धये नमः। सर्वाङ्गेषु ततः करन्यासः - ॐ ऐं अङ्गुष्ठकाभ्यां नमः। ॐ ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः। ॐ क्लीं मध्यमाभ्यां नमः। ॐ ऐं अनामिकाभ्यां नमः। ॐ ह्रीं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ॐ क्लीं करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः॥षडङ्गः॥ ॐ ऐं हृदयाय**

Page 3 Slokas L03.01 to L03.10

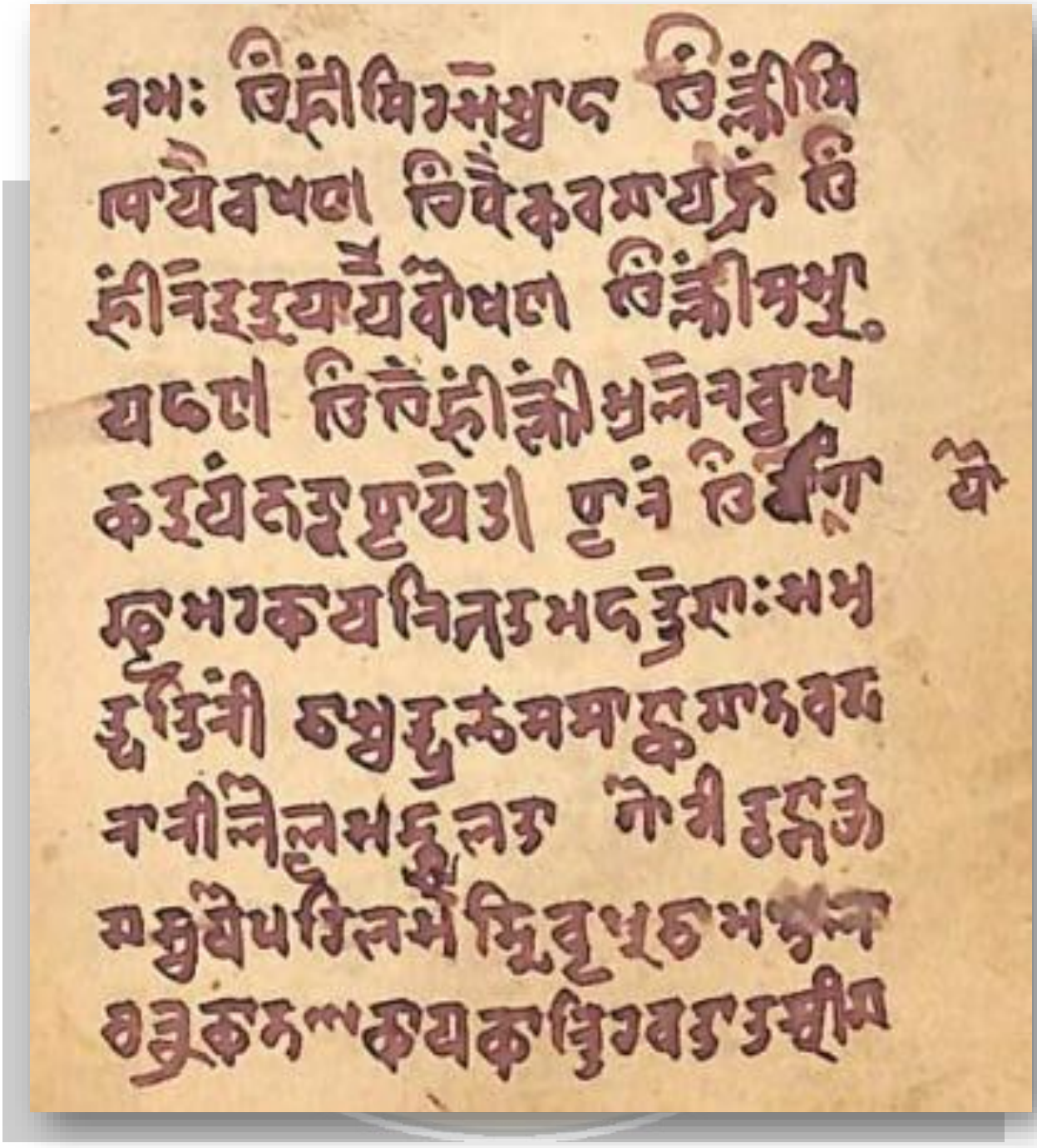

Sarada to Devanagari transliteration

Date	17th July, 2020

L03.01	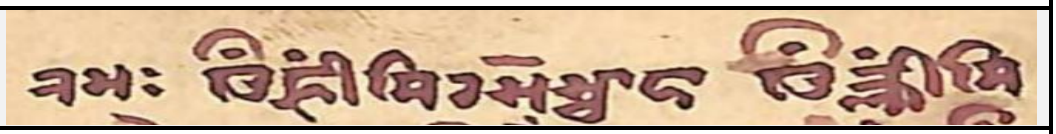
A03.01	1 न 2 मः 3 ॐ 4 ह्रीं 5 शि 6 र 7 से 8 स्वा 9 हा 10 ॐ 11 क्लीं 12 शि
B03.01	नमः ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा ॐ क्लीं शि-
L03.02	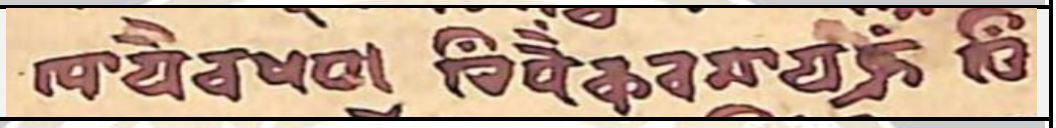
A03.02	1 खा 2 यै 3 व 4 ष 5 ट् 6 ॐ 7 धैं 8 क 9 व 10 चा 11 य 12 हूं 13 ॐ
B03.02	खायै वषट् ॐ धैं कवचाय हूं ॐ
L03.03	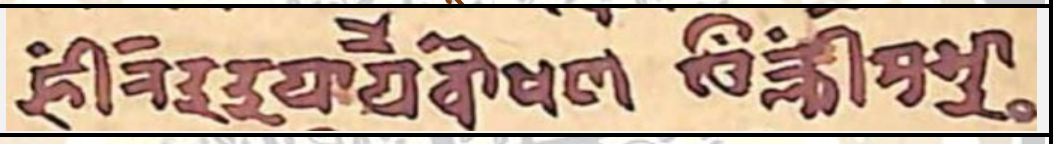
A03.03	1 ह्रीं 2 ने 3 त्र 4 त्र(त्रा) 5 या 6 यै 7 वौ 8 ष 9 ट् 10 ॐ 11 क्लीं 12 अ 13 स्त्रा
B03.03	ह्रीं नेत्रत्रयायै [नेत्रत्रायायै] वौषट् ॐ क्लीं अस्त्रा-
L03.04	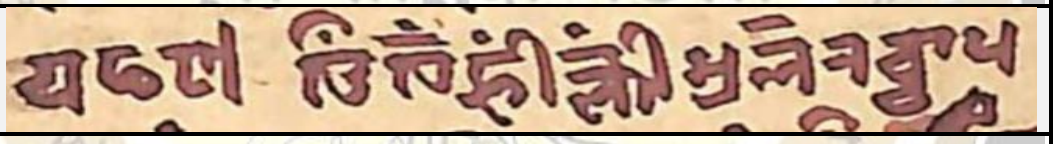
A03.04	1 य 2 फ 3 ट् 4 ॐ 5 ऐं 6 ह्रीं 7 क्लीं 8 मु 9 ले 10 न 11 व्या 12 प
B03.04	य फट् ॐ ऐं ह्रीं क्लीं मुलेन व्याप-
L03.05	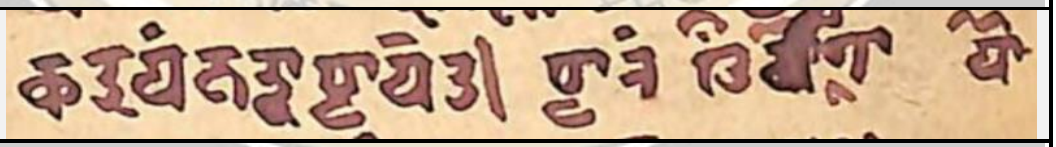
A03.05	1 क 2 त्र 3 यं 4 कृ 5 त्वा 6 ध्या 7 ये 8 त् 9 ध्या 10 नं 11 ॐ 12 यौ 13 गा
B03.05	कत्रयं कृत्वा ध्यायेत् ध्यानं ॐ यौगा-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	17th July, 2020 (continued…)

L03.06	
A03.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 ढ्या म र का य नि र्ग त म ह त्ते ज: स मु
B03.06	ढ्यामरकाय निर्गतमहत्तेजः समु-
L03.07	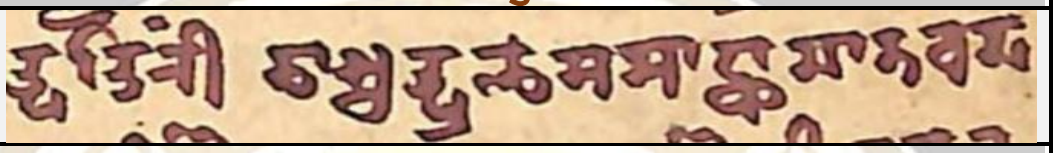
A03.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 त्प ति नीं भा स्व त्पू र्ण श शा ङ्क चा रु व द
B03.07	त्पतिनीं भास्वत्पूर्णशशाङ्कचारुवद-
DL03.08	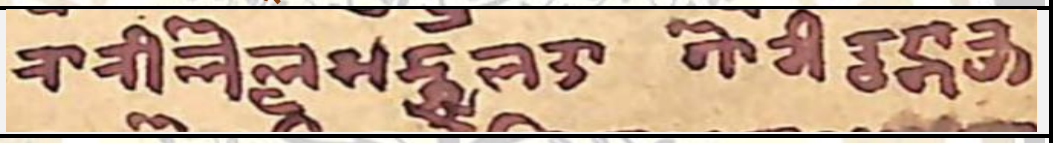
A03.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ना नी लो ल्ह स द* ल ता गौ री त्व इंग कु
B03.08	ना नीलोल्हसद्*लता गौरी त्वङ्गकुच- च from the next line
L03.09	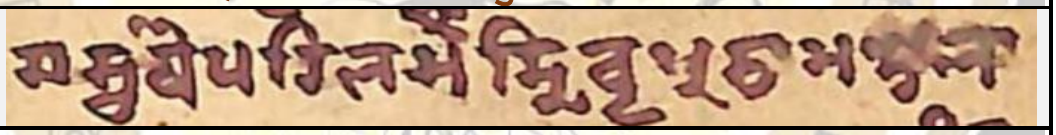
A03.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 च द्व यो प रि ल से द्दि व्य प्र भा म ण्ड ला
B03.09	द्वयोपरि लसेद्दिव्यप्रभामण्डला- च taken to the previous line
L03.10	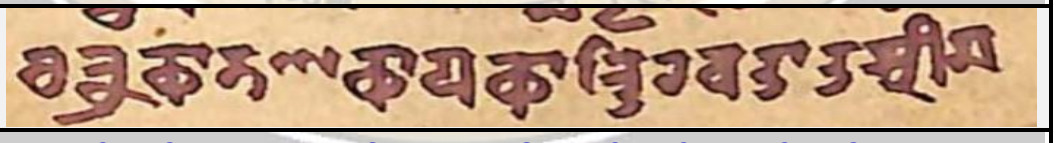
A03.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 ब न्धु का रु ण का य का न्ति र व ता त श्री च
B03.10	बन्धुकारुणकायकान्तिरवतात श्री च-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	17th July 2020 (continued…)

	1. Line 0**3.01** is continuing from **Line 02.10** 2. Line **03.10** will be continuing in next page. 3. Line **03.04** MS reads: **मुलेन**, correct reading should be: **मूलेन** 4. **Line 03.08** MS reads**: नीलोल्यसद्भूलता,** correct reading should be**: नीलोल्लसद्भूलता** 5. Line **03.09** MS reading & correct reading: **लसद्दिव्यप्रभामण्डला** space (No hyphen)
Notes	6. Version – 3: 7. **नमः। ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा। ॐ क्लीं शिखायै वषट्। ॐ धैं (it can beऐं) कवचाय हूं। ॐ ह्रीं नेत्रत्रायायै वौषट्। ॐ क्लीं अस्त्राय फट्। ॐ ऐं ह्रीं क्लीं मुलेन (मूलेन) व्यापकत्रयं कृत्वा ध्यायेत् । ध्यानं - ॐ यौगाढ्यामरकाय निर्गतमहत्तेजः समुत्पतिनीं भास्वत्पूर्णशशाङ्कचारुवदना नीलोल्हसद्*लता (नीलोल्लसद्भूलता) गौरी त्वङ्गकुचद्वयोपरि लसेद्दिव्यप्रभामण्डलाबन्धुकारुणकायकान्तिरवतात (लसद्दिव्यप्रभामण्डला) श्री च-**

Page 4 Slokas L04.01 to L04.10

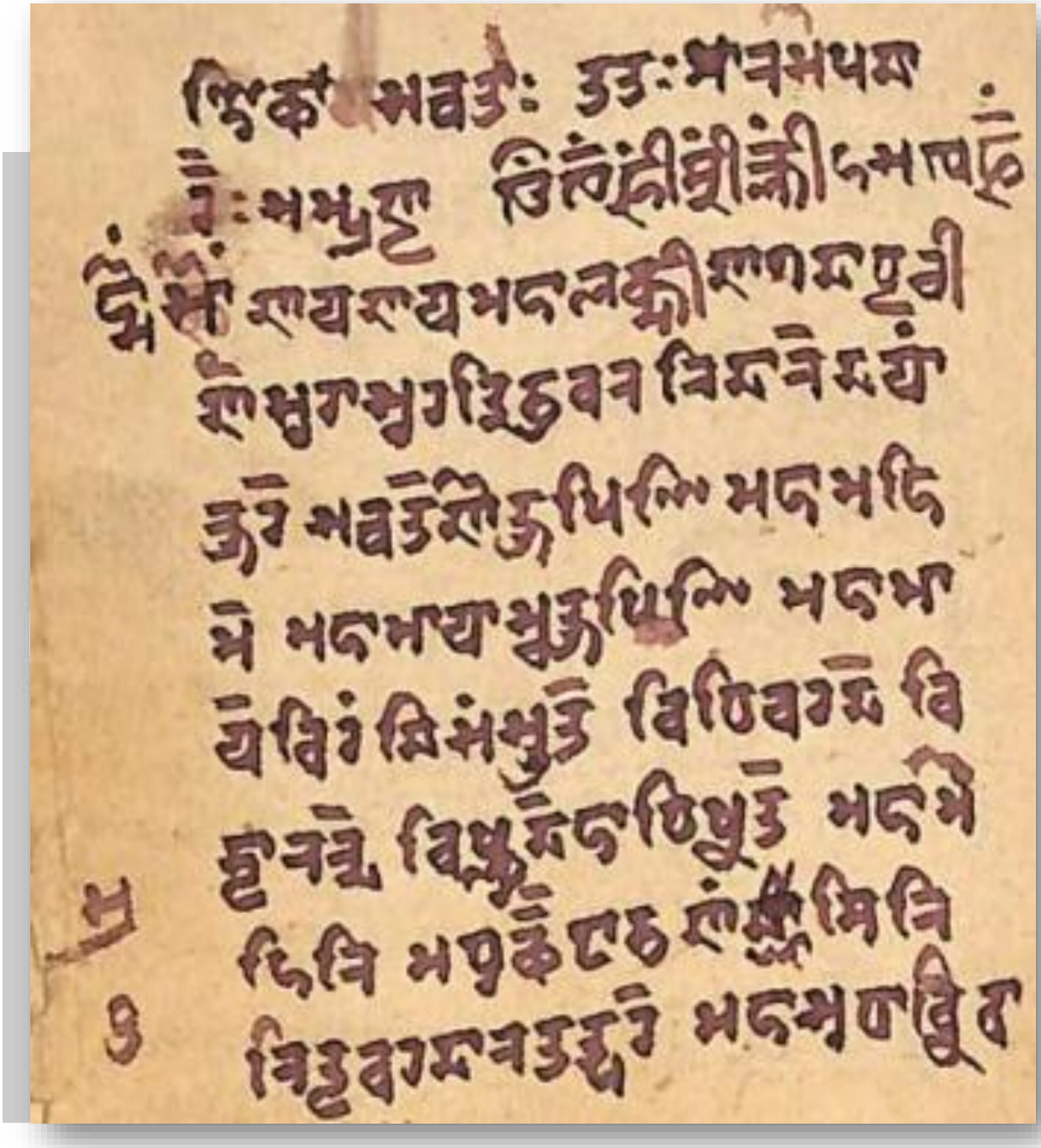

Sarada to Devanagari transliteration

Date	18th July, 2020

L04.01	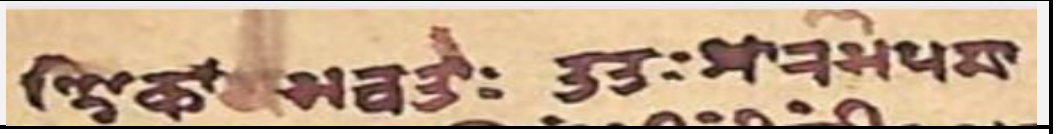
A04.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ण्डि का स र्व तः त तः ना न मो प चा
B04.01	ण्डिका सर्वतः ततः नमोपचा
L04.02	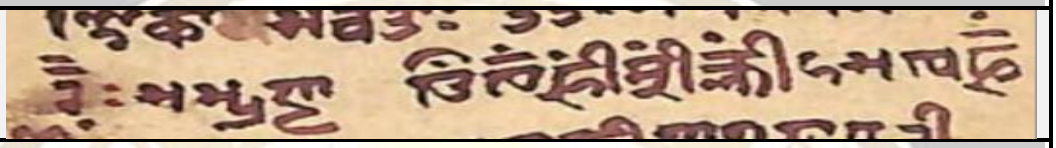
A04.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 रैः स म्पू ज्या ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं ह स ख ह्रें
B04.02	रैः सम्पूज्या ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं हस ख ह्रें
L04.03	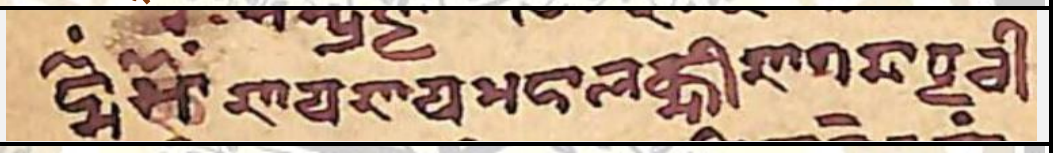
A04.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 ह्मौं सौं ज य ज य म हा ल क्ष्मी ज ग दा ध्य बी-
B04.03	ह्मौं सौं जय जय महालक्ष्मी जगदाध्यबी-
L04.04	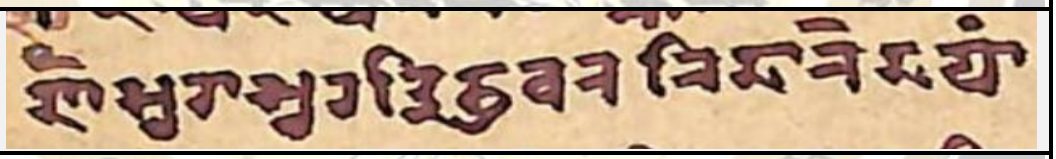
A04.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 जे सु रा सु र त्रि भु व न नि दा ने द यां -
B04.04	जे सुरासुरत्रिभुवननिदाने दयां-
L04.05	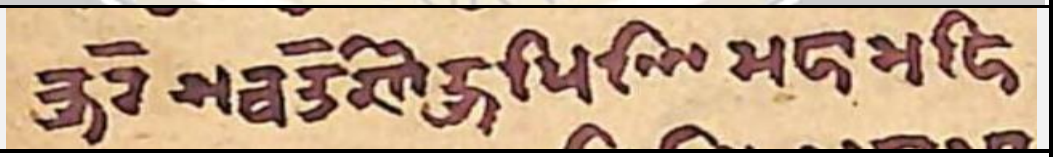
A04.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 कु रे स र्व ते जो रू पि णि म हा म हि
B04.05	कुरे सर्वतेजोरूपिणि महामहि-

Date	18th July, 2020 (continued…)

L04.06	
A04.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 मे म हा मा या स्व रू पि णी म हा मा-
B04.06	मे महामायास्वरूपिणी महामा-
L04.07	
A04.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ये वि रं चि सं स्तु ते वि धि व र दे वि-
B04.07	ये विरंचि संस्तुते विधिवरदे वि-
L04.08	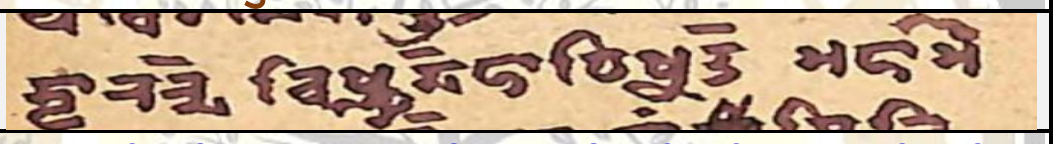
A04.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 द्या न न्दे वि ष्णु दे हा धि ष्ठ ते म हा मो-
B04.08	द्यानन्दे विष्णुदेहाधिष्ठते महामो-
L04.09	
A04.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 हि नि म धु कै ट भ ज घां शि नी
B04.09	हिनि मधुकैटभजघांशिनी
L04.10	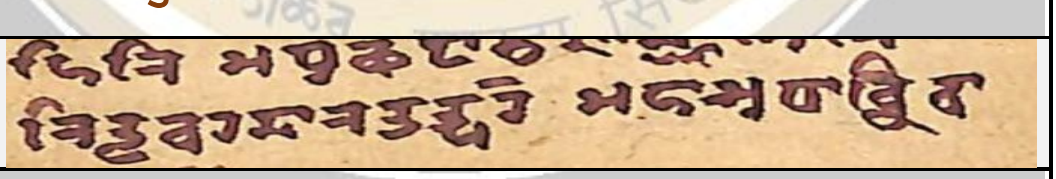
A04.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 नि त्य व र दा न त त्प रे म हा सु धा ब्धि वा-
B04.10	नित्यवरदानतत्परे महासुधाब्धिवा-

Date	18th July 2020 (continued…)

Notes	1. In Line **04.01** there should be **नामोपचारैः**, not as **नमोपचारैः** because there is no चतुर्थी विभक्ति if नमो पद is mention, and नाम will be correct because they are going to do नामपूजा. 2. In Line **04.03**, that can be scribe error, **जगदाद्यबीजं** will be appropriate reading than **जगदाध्य…** 3. In Line **04.09** that can be **जघांसिनि, not जघांशिनि.** 4. [च…] Continuation of Verse from Line **03.10** is shown within square brackets 5. Hyphen after -महासुधाब्धिवा…in Line **04.10** indicates that the page 4.10 is to be continued in page no 5.1. 6. Version – 3: a. **च-] ण्डिका सर्वतः ततः नामोपचारैः सम्पूज्या ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं हस ख ह्रें ह्मौं सौं जय जय महालक्ष्मी जगदाद्यबीजे सुरासुरत्रिभुवननिदाने दयांकुरे सर्वतेजोरूपिणि महामहिमे महामायास्वरूपिणी महामाये विरंचिसंस्तुते विधिवरदे विद्यानन्दे विष्णुदेहाधिष्ठते महामोहिनि मधुकैटभजघांसिनि नित्यवरदानतत्परे महासुधाब्धिवा-**

Page 5 Slokas L05.01 to L05.10

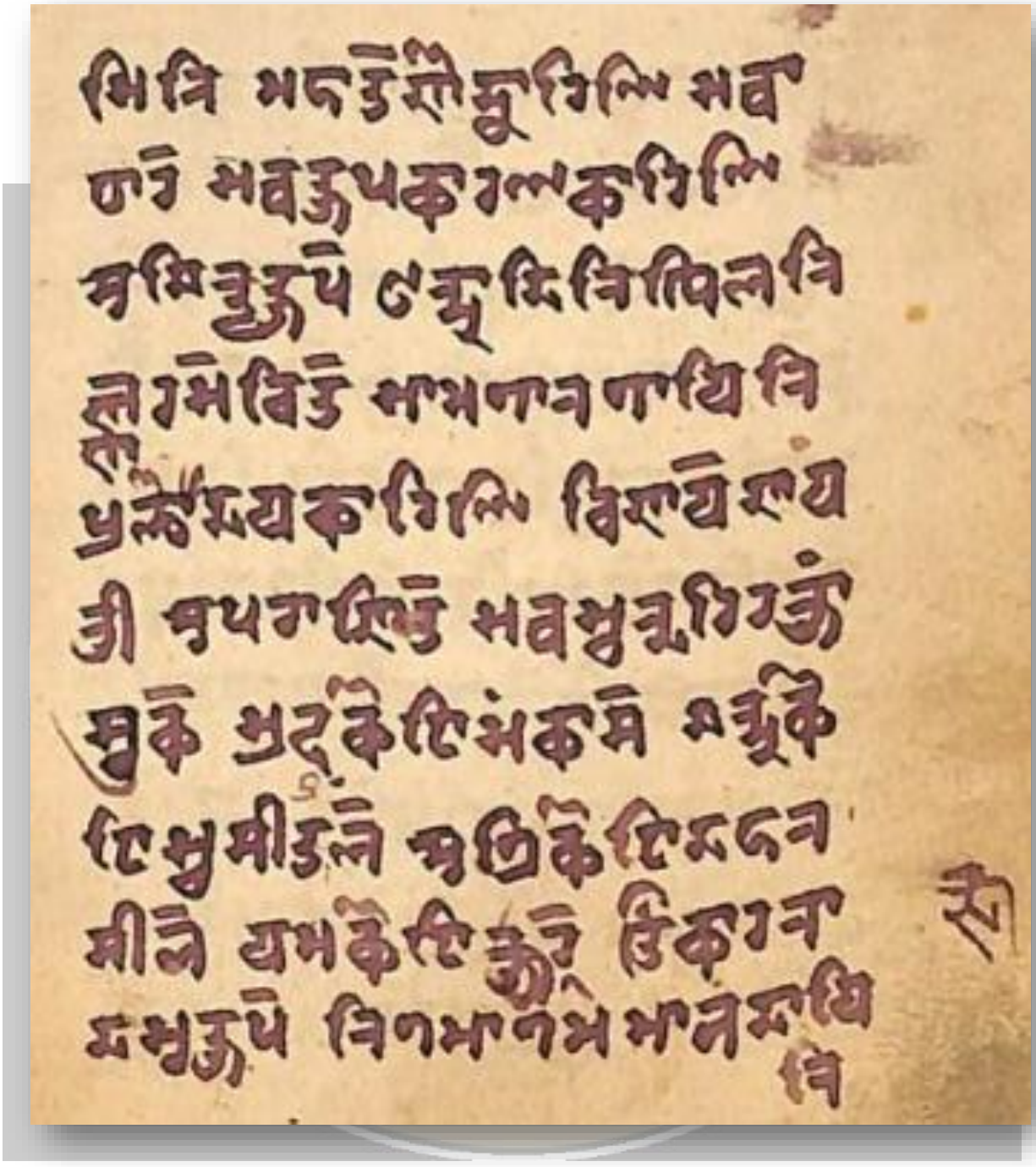

Date	19th July, 2020

L05.01	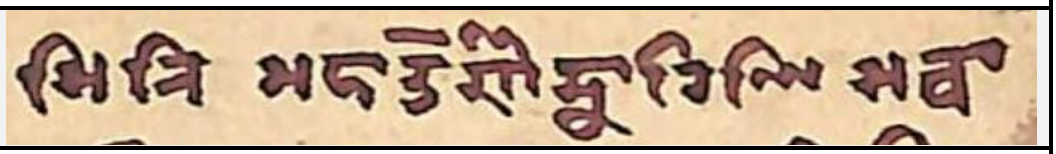
A05.01	1 सि 2 नि 3 म 4 हा 5 ते 6 जो 7 द्धा 8 रि 9 णि 10 स 11 र्वा-
B05.01	सिनि महातेजोद्धारिणि सर्वा-
L05.02	
A05.02	1 धा 2 रे 3 स 4 र्व 5 रू 6 प 7 का 8 र 9 ण 10 का 11 रि 12 णि
B05.02	धारे सर्वरूपकारणकारिणि
L05.03	
A05.03	1 अ 2 चि 3 न्त्य 4 रू 5 पे 6 इ 7 न्द्रा 8 दि 9 नि 10 खि 11 ल - 12 नि-
B05.03	अचिन्त्यरूपे इन्द्रादिनिखिल - नि -
L05.04	
A05.04	1 र्ज्ज 2 र 3 से 4 वि 5 ते 6 सा 7 म 8 गा 9 न 10 गा 11 यि 12 नि -
B05.04	र्ज्जरसेविते सामगानगायिनि
L05.05	
A05.05	1 पू 2 र्णो 3 द 4 य 5 का 6 रि 7 णि 8 वि 9 ज 10 ये 11 ज 12 य-
B05.05	पूर्णोदयकारिणि (पूर्णोदयकारिणि) विजये जय-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	19th July, 2020 (continued…)

L05.06	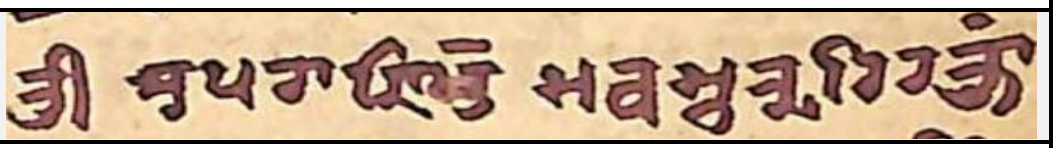
A05.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 न्ती अ प रा जि ते स र्व स्व(सु) न्द रि र क्तां-
B05.06	न्ती अपराजिते सर्वस्वन्दरिरक्तां (सर्वसुन्दरिरक्तां) -
L05.07	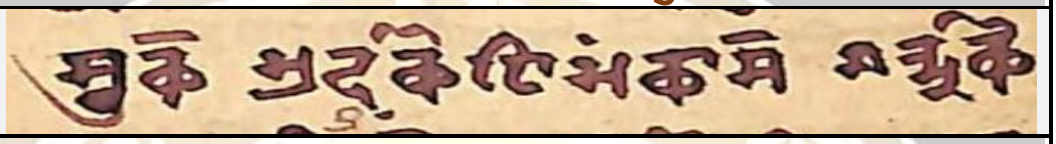
A05.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 शु के सू र्य को टि सं का शे च न्द्र को-
B05.07	शुके सूर्यकोटिसंकाशे चन्द्रको-
L05.08	
A05.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 टि सु शी त ले अ ग्नि को टि द ह न-
B05.08	टि सुशीतले अग्निकोटिदहन
L05.09	
A05.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 शी ले य म को टि क्रू रे ओं का र ना-
B05.09	ले यमकोटिक्रूरे ओंकारना-
L05.10	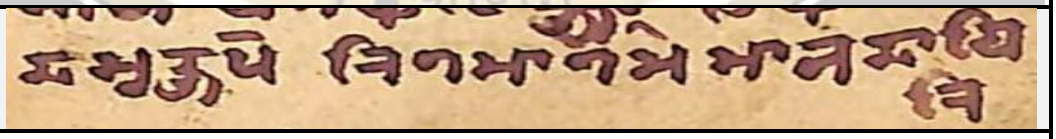
A05.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 द स्व रू पे नि ग मा ग म मा र्ग दा यि नि
B05.10	दस्वरूपे निगमागममार्गदायिनि

Date	19th July 2020 (continued…)

	1. In Line **05.05** – The word cannot not be **पूर्णोदय**, it should be **पूर्णोदय.** Because this **पूर्ण+उदय = पूर्णोदय**, it cannot be **पूर्ण+ओदय/औदय**. 2. [महासुधाब्धिवा] Continuation of Verse from Line **04.10** is shown within square brackets.
Notes	3. Version – 3: a. **[महासुधाब्धिवा] - सिनि महातेजोद्धारिणि सर्वाधारे सर्वरूपकारणकारिणि अचिन्त्यरूपे इन्द्रादिनिखिल-निर्ज्जरसेविते सामगानगायिनि पूर्णोदयकारिणि विजये जयन्ती अपराजिते सर्वसुन्दरिरक्तांशुके सूर्यकोटिसंकाशे चन्द्रकोटिसुशीतले अग्निकोटिदहनशीले यमकोटिक्रूरे ओंकारनादस्वरूपे निगमागममार्गदायिनि**

Page 6 Slokas L06.01 to L06.10

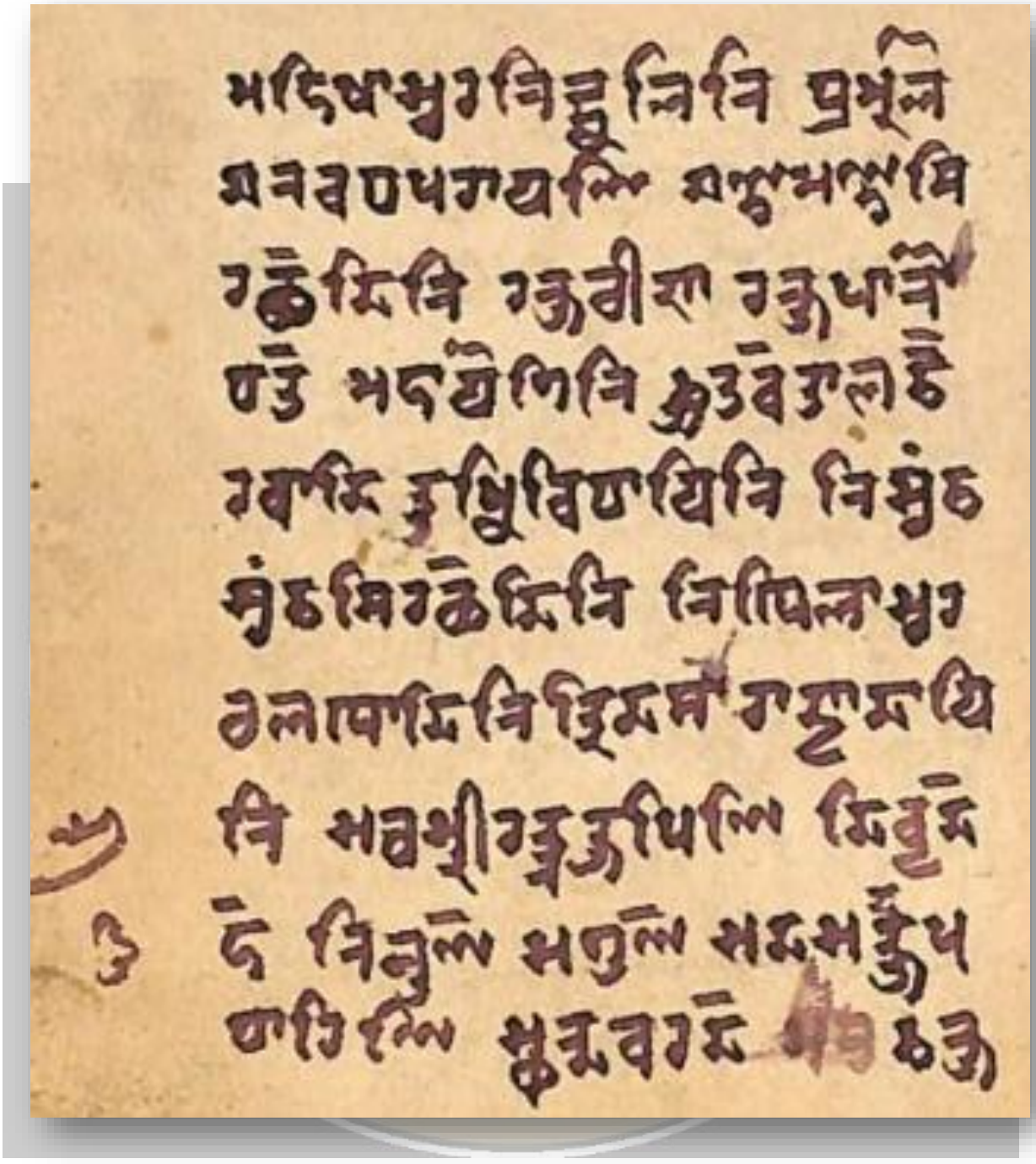

Date	20th July, 2020

L06.01	
A06.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 म हि षा सु र नि र्द्ध लि नि धू म्र लो-
B06.01	महिषासुरनिर्द्ध(द) लिनि धूम्रलो-
L06.02	
A06.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 च न व ध प रा य णि च ण्ड म ण्ड शि-
B06.02	चनवधपरायणि चण्डम(मु) ण्डशि-
L06.03	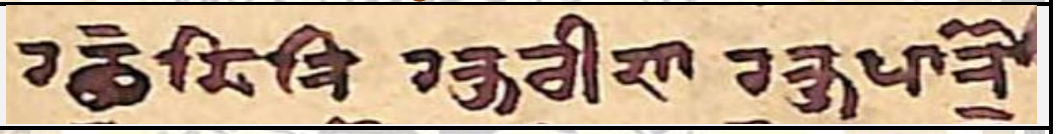
A06.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 र छे दि नि र क्त बी ज र क्त पा नौ-
B06.03	रछेदिनि रक्तबीज रक्तपानौ-
L06.04	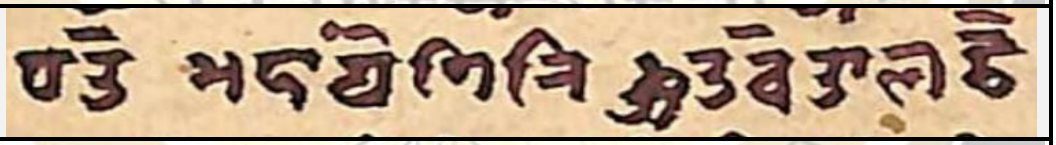
A06.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ध ते म हा यो गि नि भू त वे ता ल भै-
B06.04	धते महायोगिनि भूतवेतालभै-
L06.05	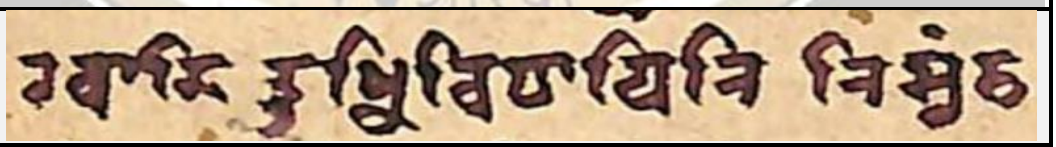
A06.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 र वा दि तु ष्टि वि धा यि नि नि शुं भ-
B06.05	रवादि तुष्टि विधायिनि निशुंभ-

Date	20th July, 2020 (continued…)

L06.06	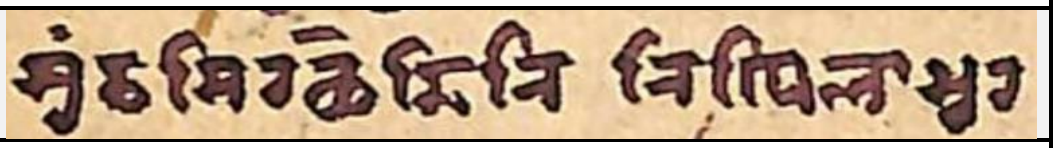
A06.06	1 शुं 2 भ 3 शि 4 र 5 छे 6 दि 7 नि 8 नि 9 खि 10 ला 11 सु 12 र-
B06.06	शुम्भशिरछेदिनि निखिलासुर-
L06.07	
A06.07	1 ब 2 ल 3 खा 4 दि 5 नि 6 त्रि 7 द 8 श 9 रा 10 ज्य 11 दा 12 यि-
B06.07	बलखादिनि त्रिदशराज्यदायि-
L06.08	
A06.08	1 नि 2 स 3 र्व 4 स्त्री 5 र 6 त्न 7 रू 8 पि 9 णि 10 दि 11 व्य 12 दे-
B06.08	नि सर्वस्त्रीरत्नरूपिणि दिव्यदे-
L06.09	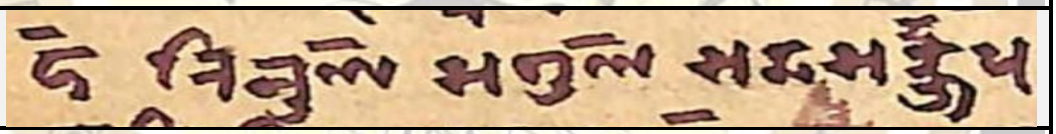
A06.09	1 हे 2 नि 3 र्गु 4 णे 5 स 6 गु 7 णे 8 स 9 द 10 स 11 द्रू 12 प-
B06.09	हे निर्गुणे सगुणे सदसद् - रूप-
L06.10	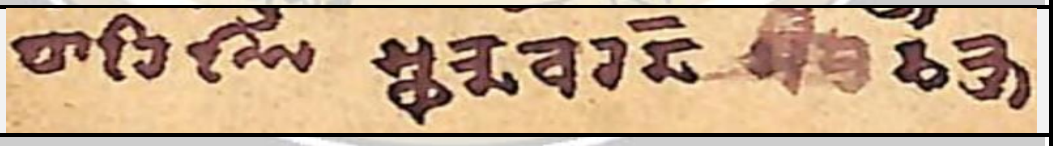
A06.10	1 धा 2 रि 3 णि 4 स्क 5 न्द 6 व 7 र 8 दे 9 भ 10 क्त-
B06.10	धारिणि स्कन्दवरदे भक्त-

Date	20th July 2020 (continued…)

	1. In Line **06.01** – **निर्दलिनि** will be more appropriate reading. 2. In Line **06.02** it should be **चण्डमुण्ड**, not चण्डमण्ड. 3. Last word of this page will continue in next page Line **07.01**
Notes	4. Version – 3: a. **महिषासुरनिर्दलिनि धूम्रलोचनवधपरायणि चण्डमुण्डशिरछेदिनि रक्तबीज रक्तपानौ धते महायोगिनि भूतवेतालभैरवादि तुष्टिविधायिनि निशुंभ-** b. **शुम्भशिरछेदिनि निखिलासुरबलखादिनि त्रिदशराज्यदायिनि सर्वस्त्रीरत्नरूपिणि दिव्यदेहे निर्गुणे सगुणे सदसद्-रूपधारिणि स्कन्दवरदे भक्त-**

Date	22nd July, 2020

Devanagari to Sarada Lipi Transliteration

Page 7 Slokas L07.01 to L07.10

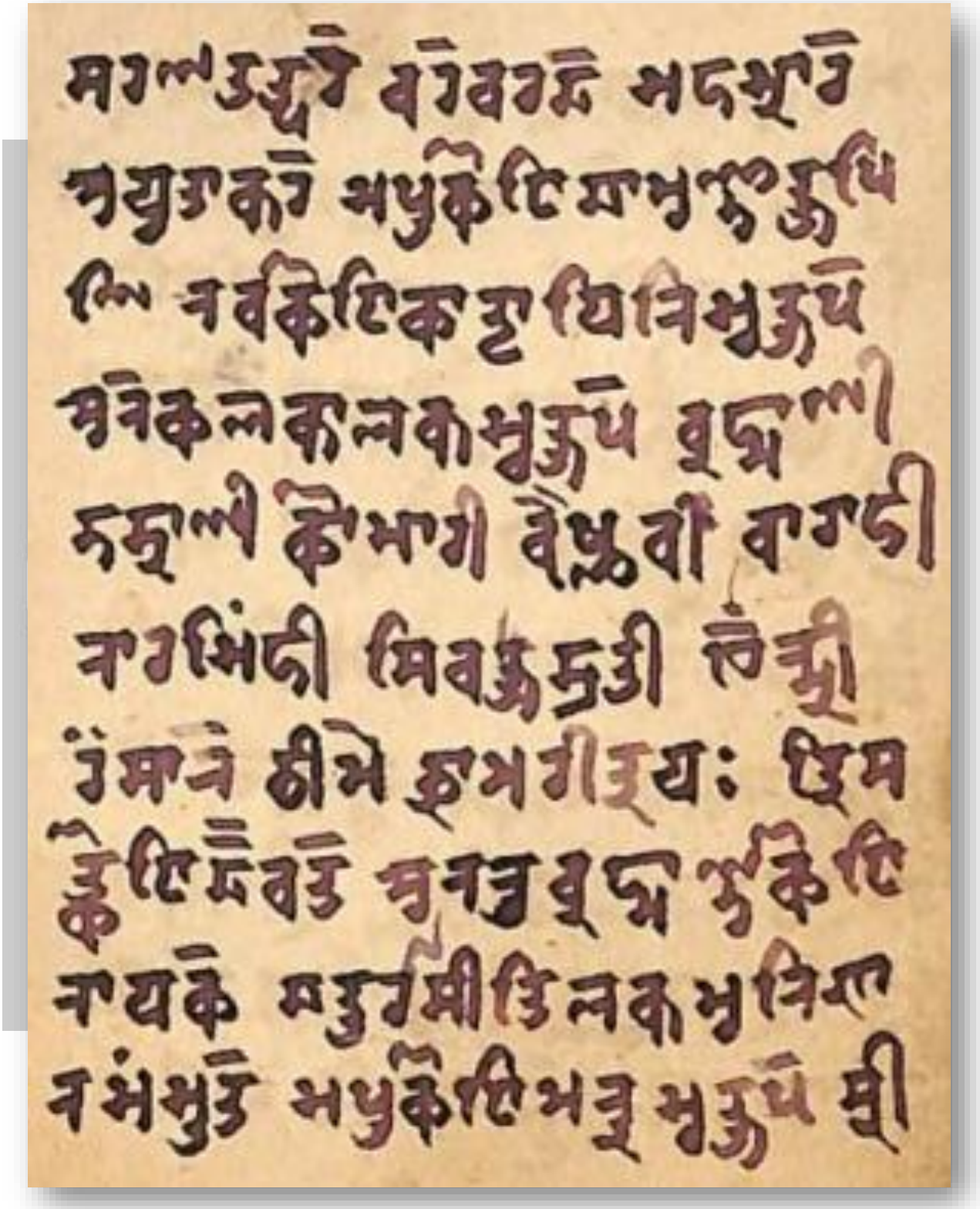

Sarada to Devanagari transliteration

Date	22nd July, 2020

L07.01	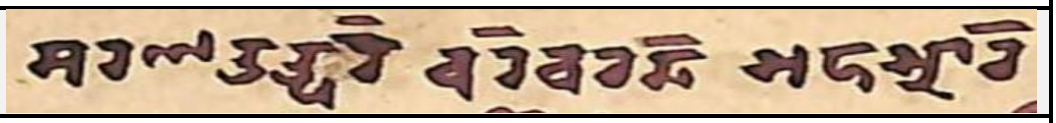
A07.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 श र ण त त्प रे व रे व र दे स ह स्रा र्धे
B07.01	शरणतत्परे वरे वरदे सहस्रार्धे
L07.02	
A07.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 अ यु ता क्ष रे स प्त को टि चा मु ण्डा रू पि
B07.02	अयुताक्षरे सप्तकोटिचामुण्डारूपि
L07.03	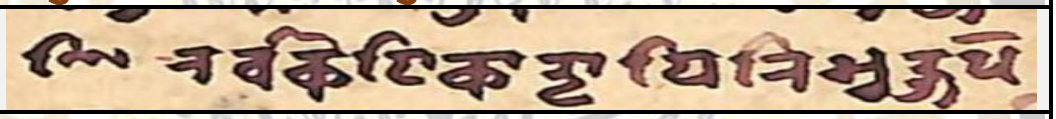
A07.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 णि न व को टि का त्या यि नि स्व रू पे
B07.03	णि नवकोटिकात्यायिनिस्वरूपे
L07.04	
A07.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 अ ने क ल क्षा ल क्ष स्व रू पे ब्र ह्मा णी
B07.04	अनेकलक्षालक्षस्वरूपे ब्रह्माणी
L07.05	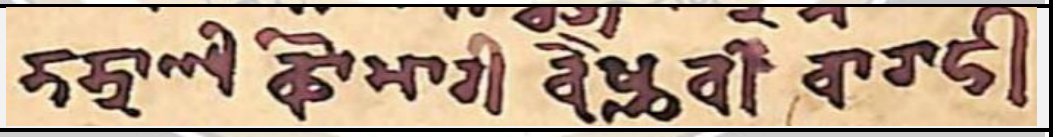
A07.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 रु द्रा णी कौ मा री वै ष्ण वी वा रा ही
B07.05	रुद्राणी कौमारी वैष्णवी वाराही

Date	22nd July, 2020 (continued…)

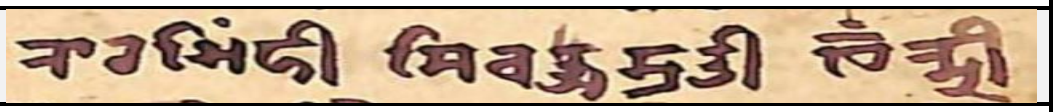

L07.06	
A07.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 ना र सिं ही शि व र्थ दू ती ऐं न्द्री
B07.06	नारसिंही शिवर्थदूती ऐंन्द्री
L07.07	
A07.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ई शा ने भी मे भ्रा म री त्र यः त्रि श-
B07.07	ईशाने भीमे भ्रामरीत्रयः त्रिश-
L07.08	
A07.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 त्को टि दै व ते अ न न्त ब्र ह्मा ण्ड को टि-
B07.08	त्कोटिदैवते अनन्तब्रह्माण्डकोटि-
L07.09	
A07.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ना य के च तु र शी ति ल क्ष मु नि ज-
B07.09	नायके चतुरशीतिलक्षमुनिज-
L07.10	
A07.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 न सं स्तु ते स प्त को टि म न्त्र स्व रू पे श्री
B07.10	संस्तुते सप्तकोटिमन्त्रस्वरूपे श्री

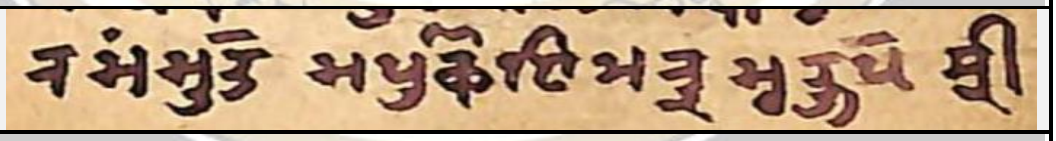

Date	22nd July 2020 (continued…)

Notes	1. Version – 3: a. [भक्त]-शरणतत्परे वरे वरदे सहस्रार्धे अयुताक्षरे सप्तकोटिचामुण्डारूपिणि नवकोटिकात्यायिनिस्वरूपे अनेक लक्षालक्षस्वरूपे ब्रह्माणी b. रुद्राणी कौमारी वैष्णवी वाराही नारसिंही शिवर्थदूती ऐंन्द्री ईशाने भीमे भ्रामरीत्रयः त्रिशत्कोटिदैवते अनन्तब्रह्माण्डकोटिनायके चतुरशीतिलक्षमुनिजनसंस्तुते सप्तकोटिमन्त्रस्वरूपे श्री…

Page 8 Slokas L08.01 to L08.10

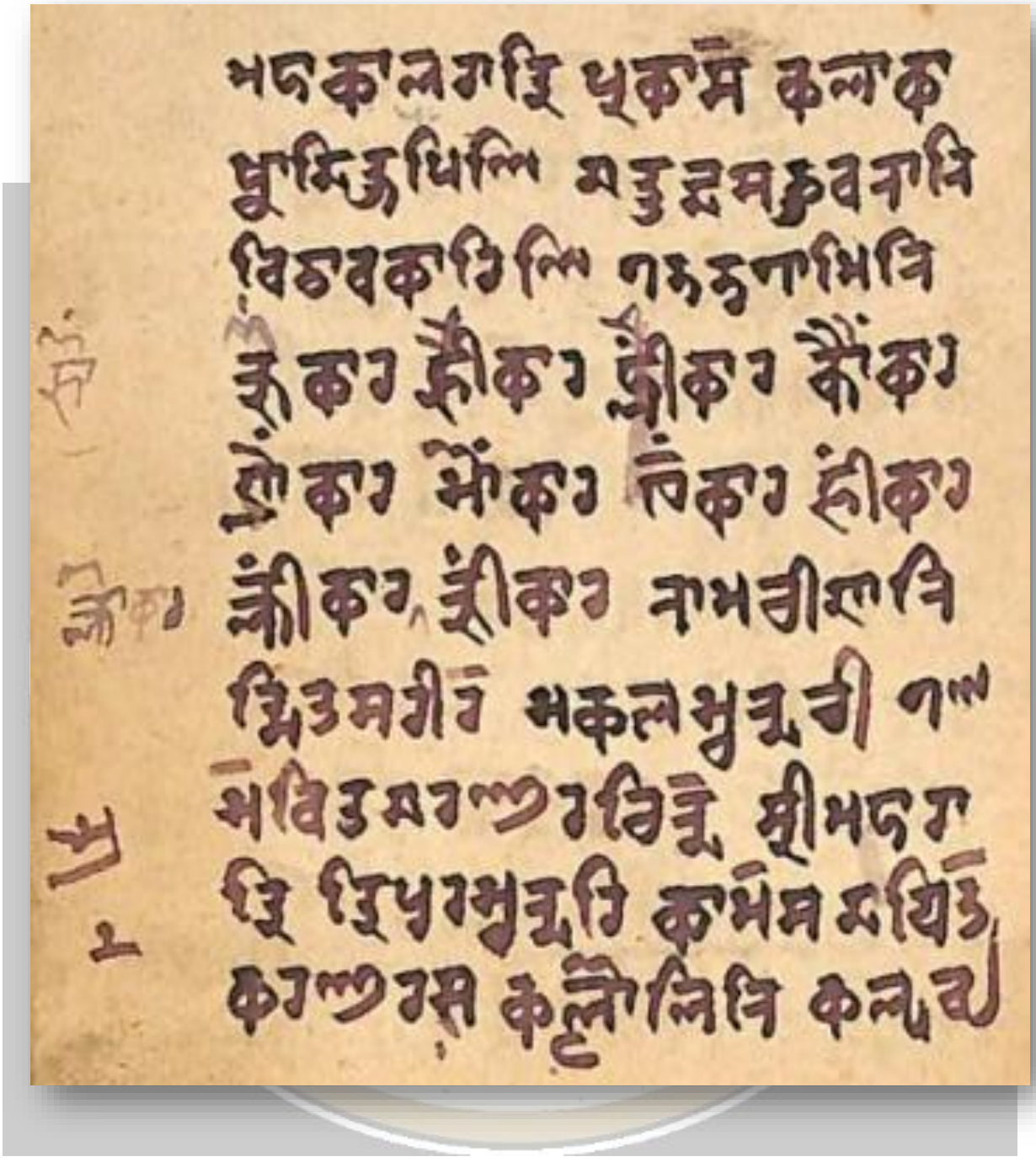

Sarada to Devanagari transliteration

Date	23rd July, 2020

L08.01	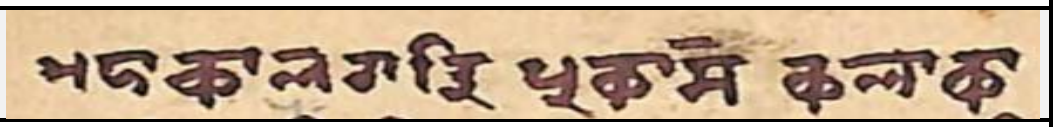
A08.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 म हा का ल रा त्रि प्र का शे क ला का-
B08.01	महाकालरात्रि प्रकाशे कलाका-
L08.02	
A08.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ष्ठा दि रू पि णि च तु र्दं श भु व ना नि
B08.02	ष्ठादिरूपिणि चतुर्दशभुवनानि
L08.03	
A08.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 वि भा व का रि णि ग रु ड गा मि नि
B08.03	विभावकारिणि गरुडगामिनि
L08.04	
A08.04	(ह्रौं का र) 1 2 3 4 6 7 8 9 10 11 12 13 क्र का र ह्री का र ह्लीं का र क्षौं का र
B08.04	अनेकलक्षालक्षस्वरूपे ब्रह्माणी
L08.05	
A08.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 *ज्यों का र सौं का र ऐं का र ह्रीं का र
B08.05	*ज्योंकार सौंकार ऐंकार ह्रींकार

Date	23rd July, 2020 (continued…)

L08.06	
A08.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 क्लीं का र ^ क्रीं का र ना म बी जा नि-
	(क्लौ का र)
B08.06	क्लींकार ^ (क्लौकार) क्रींकारनामबीजानि-
L08.07	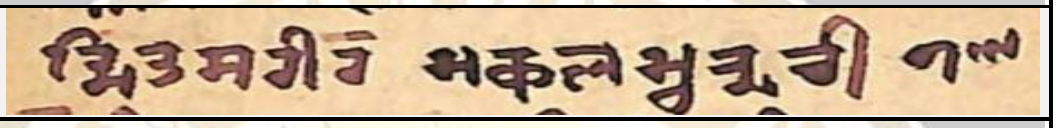
A08.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 मिं त श री रे स क ल सु न्द री ग ण-
B08.07	मितशरीरे सकलसुन्दरी गण-
L08.08	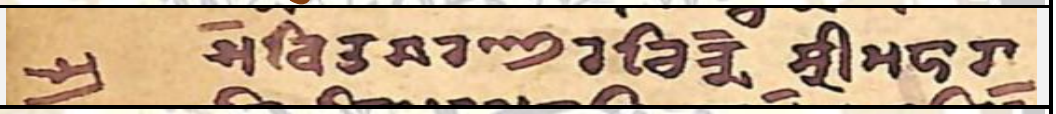
A08.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 से वि त च र णा र वि न्दे श्री म हा रा-
B08.08	सेवितचरणारविन्दे श्री महारा-
L08.09	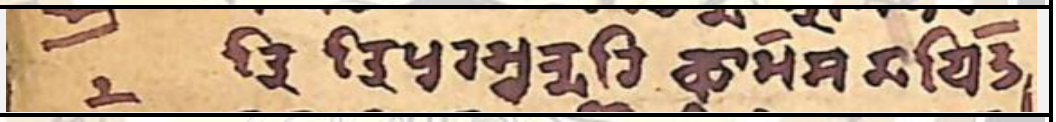
A08.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 त्रि त्रि पु र सु न्द रि का मे श दा यि ते
B08.09	त्रि त्रिपुरसुन्दरि कामेशदायिते
L08.10	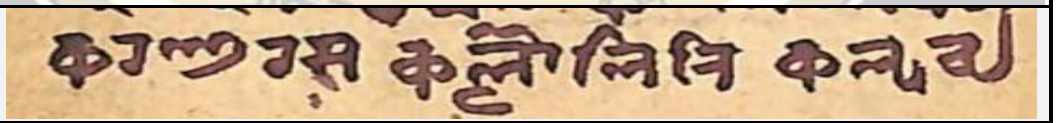
A08.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 क र णा र श क ल्यौ लि नि क ल्प वृ
B08.10	करणारशकल्यौलिनि कल्पवृ

Date	23rd July 2020 (continued…)

	1. In Line **08.04** (**ह्रौंकार**) word is given outside so that may be correct reading but where it needs to be placed needs to be finalised 2. In Line **08.05** The first word is not clear
Notes	3. In Line **08.06,** the word **क्लौंकार** needs to be added. 4. In Line **08.10** The word is not clear. 5. Version – 3: a. **महाकालरात्रि प्रकाशे कलाकाष्ठादिरूपिणि चतुर्दशभुवनानि विभावकारिणि गरुडगामिनि (ह्रौंकार) क्रकार ह्रीकार ह्लींकार क्षौंकार *ज्यौंकार सौंकार ऐंकार ह्रींकार क्लींकार ^ (क्लौंकार) क्रींकारनामबीजानिर्मितशरीरे सकलसुन्दरी गणसेवितचरणारविन्दे श्री महारात्रि त्रिपुरसुन्दरि कामेशदायिते करणारशकल्यौंलिनि कल्पवृ-**

Page 9 Slokas L09.01 to L09.10

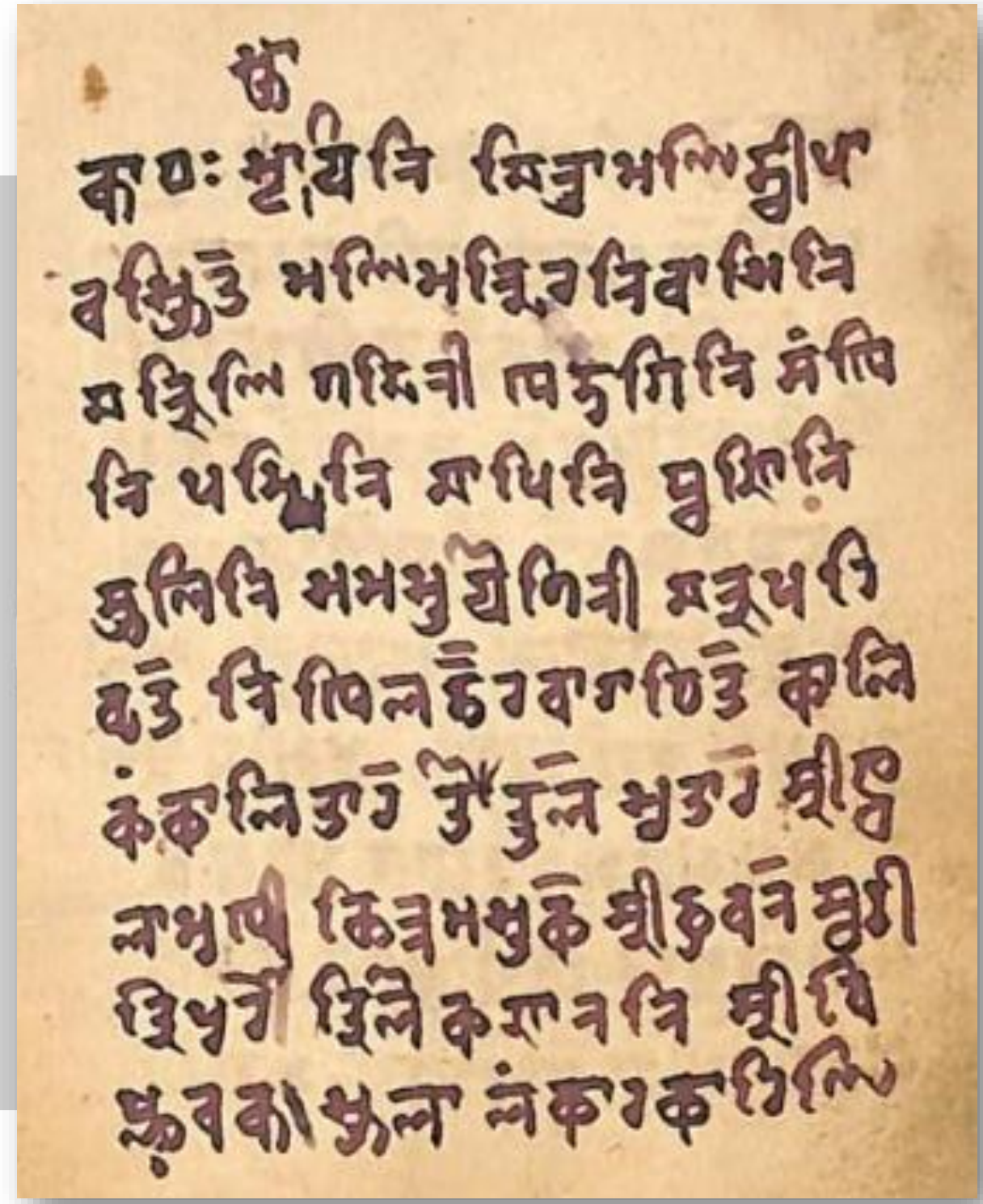

Sarada to Devanagari transliteration

Date	24th July, 2020

L09.01	
A09.01	1 क्षा 2 धः 3 स्या//स्था) 4 यि 5 नि 6 चि 7 न्ता 8 म 9 णि 10 द्वी 11 पा-
B09.01	क्षाधः स्या(स्था)यिनि चिन्तामणिद्वीपा-
L09.02	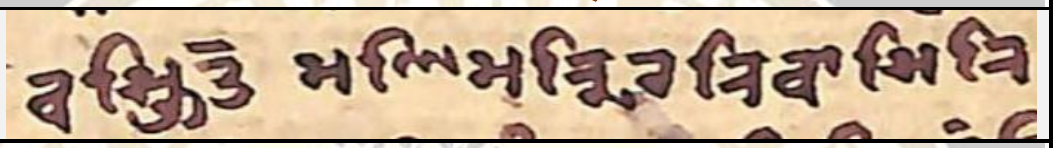
A09.02	1 व 2 स्थि 3 ते 4 म 5 णि 6 म 7 न्दि 8 र 9 नि 10 वा 11 सि 12 नि
B09.02	वस्थिते मणिमन्दिरनिवासिनि
L09.03	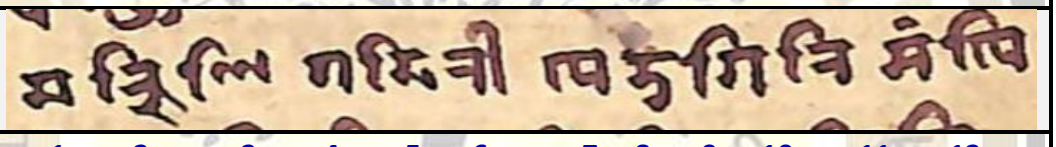
A09.03	1 च 2 क्रि 3 णि 4 ग 5 दि 6 नी 7 ख 8 ड 9 गि 10 नि 11 शं 12 खि-
B09.03	चक्रिणि गदिनी खड(खड्)गिनि शंखि-
L09.04	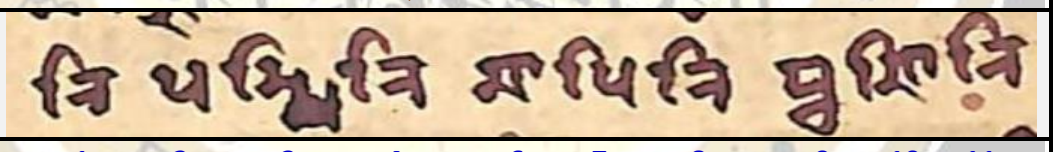
A09.04	1 नि 2 प 3 द्मि 4 नि 6 चा 7 पि 8 नि 9 ध्व 10 जि 11 नि
B09.04	नि पद्मिनि चापिनि ध्वजिनि
L09.05	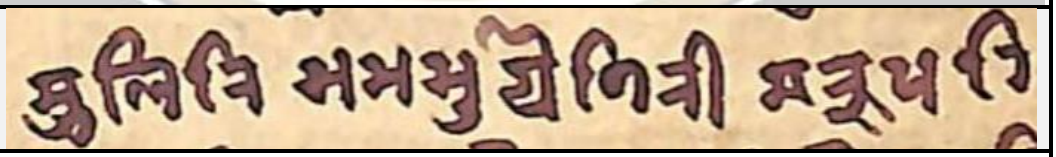
A09.05	1 शु 2 लि 3 नि 4 स 5 म 6 स्त 7 यो 8 गि 9 नी 10 च 11 क्र 12 प 13 रि-
B09.05	शुलिनि समस्तयोगिनीचक्रपरि-

Date	24th July, 2020 (continued…)

L09.06	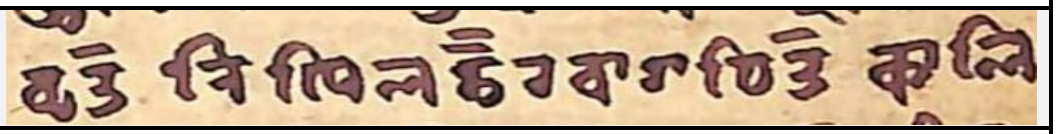
A09.06	1 वृ 2 ते 3 नि 4 खि 5 ल 6 भै 7 र 8 वा 9 रा 10 धि 11 ते 12 का 13 लि
B09.06	वृते निखिलभैरवाराधिते कालि
L09.07	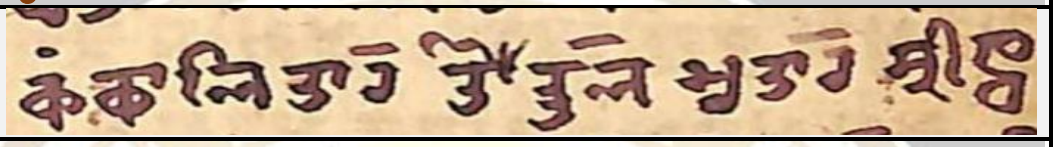
A09.07	1 कं 2 का 3 लि 4 ता 5 रे 6 तौ 7 न्त 8 ले 9 सु 10 ता 11 रे 12 श्री 13 ज्वा-
B09.07	कंकालि तारे तौन्तले सुतारे श्री ज्वा-
L09.08	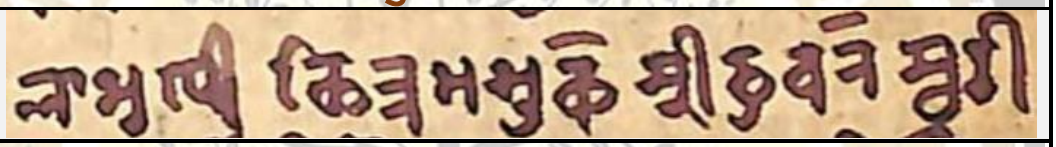
A09.08	1 ला 2 मु 3 खी 4 छि 5 न्न 6 म 7 स्त 8 के 9 श्री 10 भु 11 व 12 ने 13 श्व 14 री
B09.08	लामुखीछिन्नमस्तके श्रीभुवनेश्वरी
L09.09	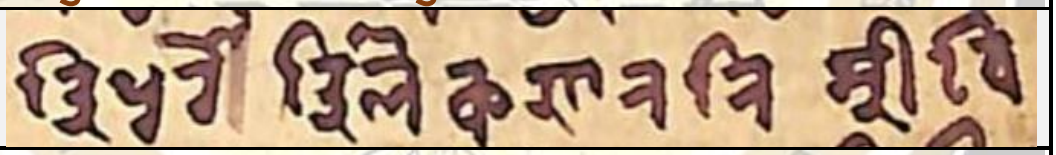
A09.09	1 त्रि 2 पु 3 रे 4 त्रि 5 लो 6 क 7 ज 8 न 9 नि 10 श्री 11 वि-
B09.09	त्रिपुरे त्रिलोकजननि श्रीवि-
L09.10	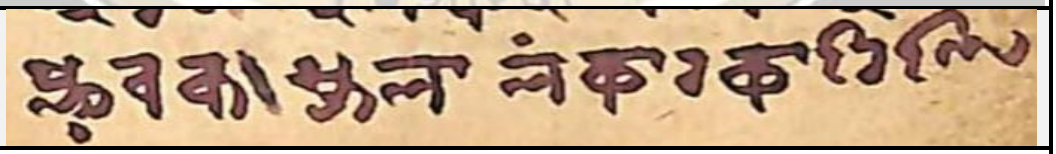
A09.10	1 ष्णु 2 व 3 क्ष 4 स्थ 5 ला 6 लं 7 का 8 र 9 का 10 रि 11 णि
B09.10	ष्णुवक्षस्थलालंकारकारिणि

Date	24th July 2020 (continued…)

	1. In Line **09.01** correct word is given above, so **कल्पवृक्षाधःस्थायिनि** will be perfect. 2. In Line **09.03** **खड्गिनि** would be more appropriate instead of **खडगिनि**. 3. From the last word of Line **08.10, कल्पवृ**, it continues to Line **09.01**
Notes	4. Version – 3: a. **[कल्पवृ] - क्षाधःस्थायिनि चिन्तामणिद्वीपावस्थिते मणिमन्दिरनिवासिनि चक्रिणि गदिनी खडगिनि शंखिनि पद्मिनि चापिनि ध्वजिनि शुलिनि समस्तयोगिनीचक्रपरिवृते निखिलभैरवाराधिते कालि कंकालि तारे तौन्तले सुतारे श्री ज्वालामुखीछिन्नमस्तके श्रीभुवनेश्वरीत्रिपुरे त्रिलोकजननि श्रीविष्णुवक्षस्थलालंकारकारिणि**

Page 10 Slokas L10.01 to L10.10

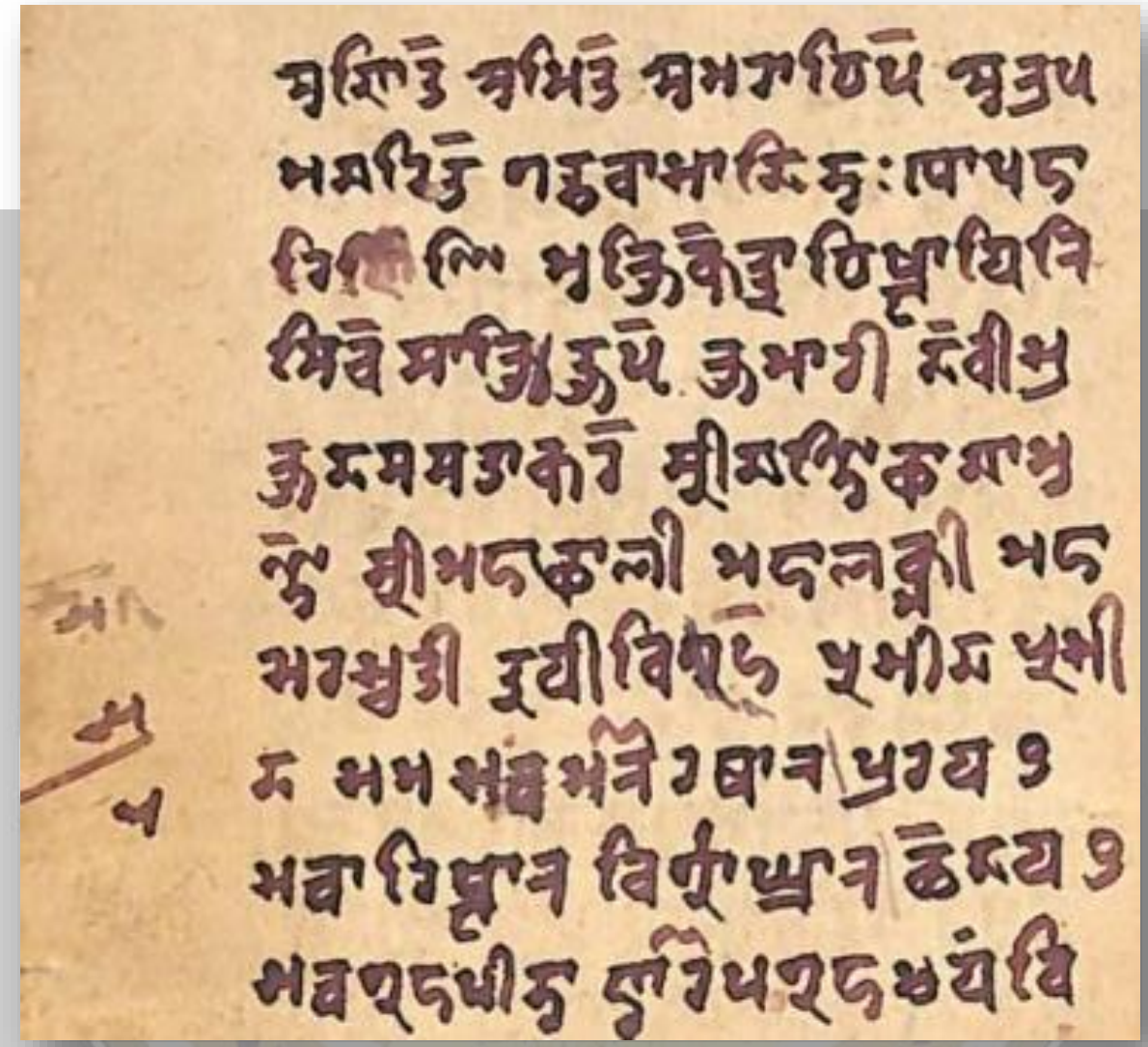

Sarada to Devanagari transliteration

Date	25th July, 2020

L10.01	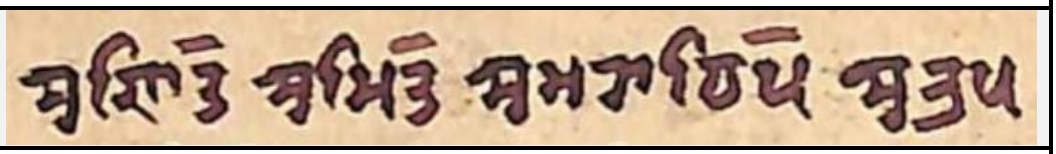
A10.01	1 अ 2 जि 3 ते 4 अ 5 मि 6 ते 7 अ 8 म 9 रा 10 धि 11 पे 12 अ 13 नू 14 प-
B10.01	अजिते अमिते अमराधिपे अनूप-
L10.02	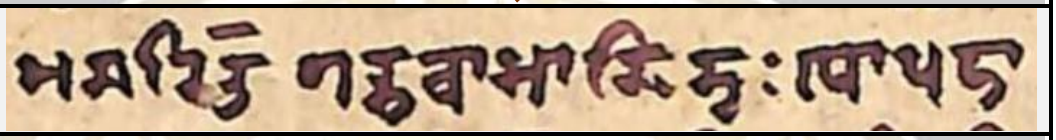
A10.02	1 म 2 च 3 रि 4 ते 5 ग 6 र्भ 7 वा 8 सा 9 दि 10 दुः 11 खा 12 प 13 हा
B10.02	मचरिते गर्भवासादि दुःखापहा-
L10.03	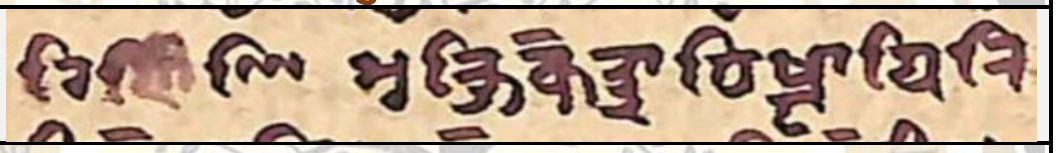
A10.03	1 रि 2 णि 3 मु 4 क्ति 5 क्षे 6 त्रा 7 धि 8 ष्टा 9 यि 10 नि
B10.03	रिणि मुक्तिक्षेत्राधिष्टा(ष्ठा) यिनि
L10.04	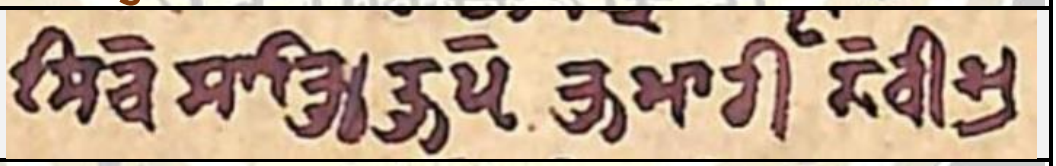
A10.04	1 शि 2 र्व 3 शा 4 न्ति 6 रू 7 पे 8 कु 9 मा 10 रि 11 दे 12 वि 13 सू
B10.04	शिवे शान्तिरूपे कुमारी देवीसू-
L10.05	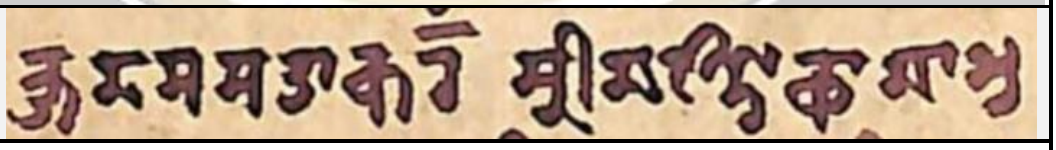
A10.05	1 क्त 2 द 3 श 4 श 5 ता 6 क्ष 7 रे 8 श्री 9 च 10 ण्डि 11 का 12 चा 13 मु
B10.05	क्त दशशताक्षरे श्रीचण्डिका चामु-

Date	25th July, 2020 (continued…)

L10.06	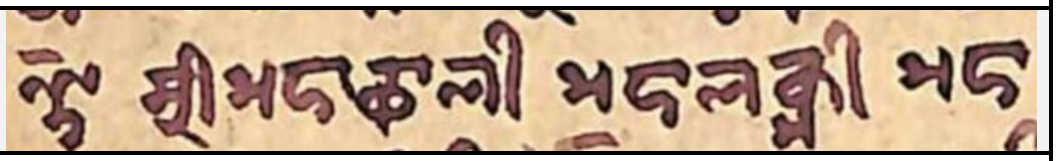
A10.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ण्डे श्री म हा का ली म हा ल क्ष्मी म हा
B10.06	ण्डे श्रीमहाकाली महालक्ष्मी महा-
L10.07	
A10.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 स र स्व ती त्र यी वि ग्र हे प्र सी द प्र सी
B10.07	सरस्वती त्रयीविग्रहे प्रसीद प्रसी-
L10.08	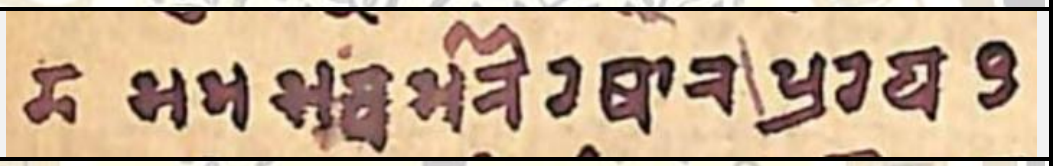
A10.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 द म म स र्व म नो र था न् पू र य २
B10.08	द मम सर्वमनोरथान् पूरय -२,
L10.09	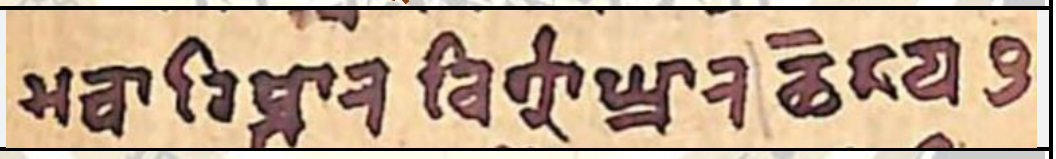
A10.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 स र्वा रि ष्टा न वि ग्रा घ्र न छे द य २
B10.09	सर्वारिष्टान (न्) विग्राघ्नान (विघ्नान्) छेदय - २,
L10.10	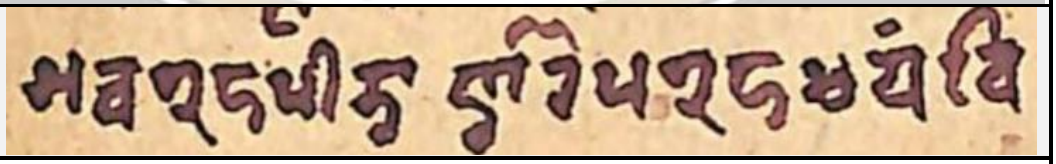
A10.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 स र्व ग्र ह पी डा ज्व रो प ग्र ह म यं वि
B10.10	सर्वग्रहपीडा ज्वरोपग्रहमयं वि-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	25th July 2020 (continued…)

	1. In Line **10.03,** that should be **अधिष्ठायिनि**, not **अधिष्टायिनि**. 2. In Line **10.09 सर्वारिष्टान् विघ्नान्** would be better reading. 3. In Line **10.10** last word may be **ज्वरोपग्रहमयं**
Notes	4. In Line **10.10** last **वि-** goes to the next page, Line **11.01**. 5. Version – 3: a. **अजिते अमिते अमराधिपे अनूपमचरिते गर्भवासादि दुःखापहारिणि मुक्तिक्षेत्राधिष्ठायिनि शिवे शान्तिरूपे कुमारी देवीसूक्त दशशताक्षरे श्रीचण्डिका चामुण्डे श्रीमहाकाली महालक्ष्मी महासरस्वती त्रयीविग्रहे प्रसीद प्रसीद मम सर्वमनोरथान् पूरय -२, सर्वारिष्टान् विघ्नान् छेदय - २, सर्वग्रहपीडा ज्वरोपग्रहमयं वि-**

Page 11 Slokas L11.01 to L11.10

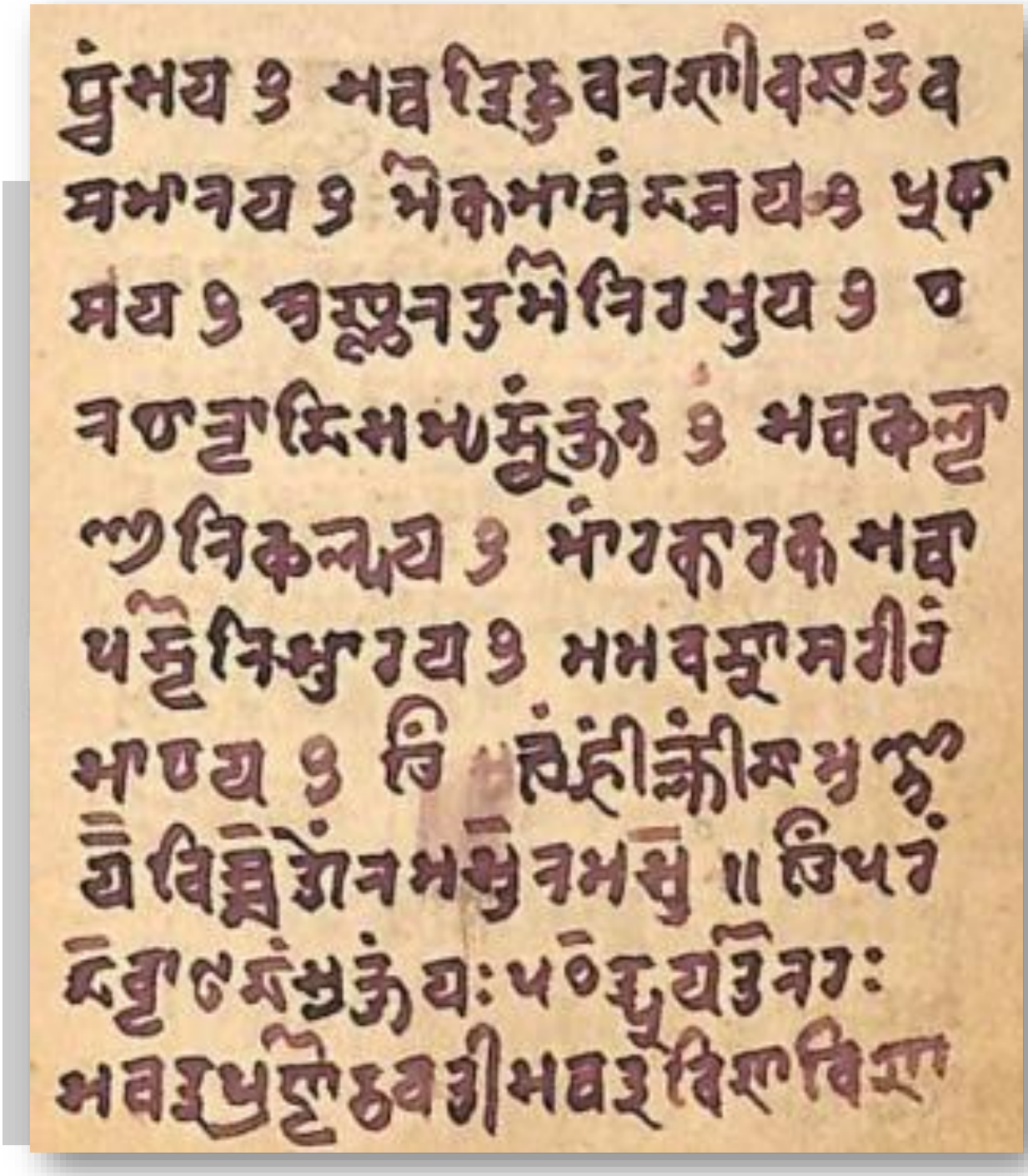

Sarada to Devanagari transliteration

Date	26th July, 2020

L11.01	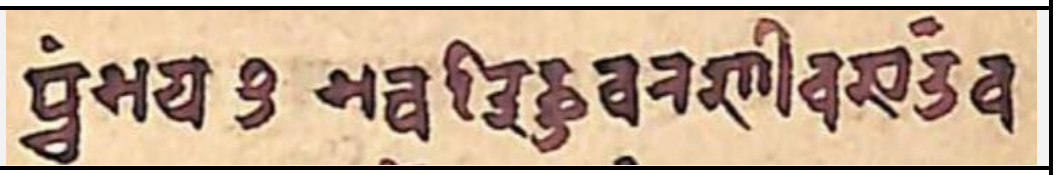
A11.01	1 ध्वं 2 स 3 य 4 २ 5 स 6 र्व 7 त्रि 8 भु 9 व 10 न 11 जी 12 व 13 जा 14 तं 15 व
B11.01	ध्वंसय -२, सर्वत्रभुवनजीवजातं व-
L11.02	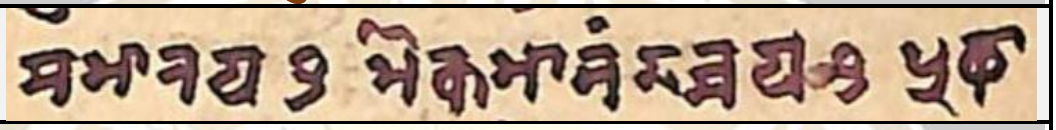
A11.02	1 श 2 मा 3 न 4 य 5 २ 6 मो 7 क्ष 8 मा 9 र्गं 10 द 11 र्श 12 य 13 २ 14 प्र 15 का
B11.02	शमानय - २, मोक्षमार्गं दर्शय -२, प्रका-
L11.03	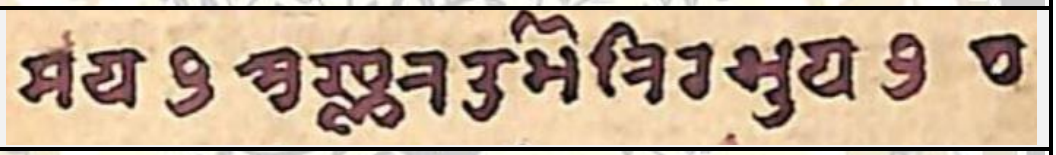
A11.03	1 श 2 य 3 २ 4 अ 5 ज्ञा 6 न 7 त 8 मो 9 नि 10 र 11 स्त 12 य 13 २ 14 ध
B11.03	शय - २, अज्ञानतमो निरस्तय -२, ध -
L11.04	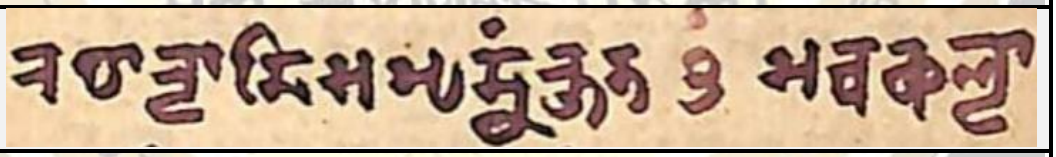
A11.04	1 न 2 धा 3 न्या 4 दि 6 स 7 मृ 8 द्धं 9 कु 10 रु 11 २ 12 स 13 र्व 14 क 15 ल्या
B11.04	नधान्यादिसमृद्धं कुरु - २, सर्वकल्या-
L11.05	
A11.05	1 णा 2 नि 3 क 4 ल्प 5 य 6 २ 7 मां 8 र 9 क्षा 10 र 11 क्ष 12 स 13 र्वा
B11.05	णानि कल्पय - २, मां रक्षारक्ष सर्वा-

Date	26th July, 2020 (continued…)

L11.06	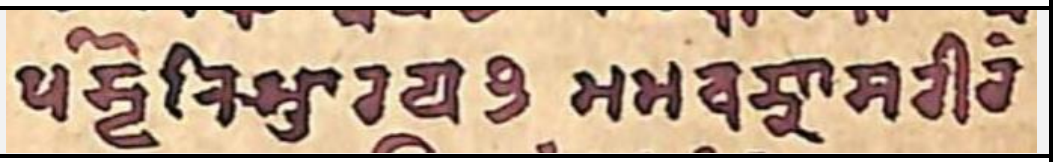
A11.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 प द्यो नि स्ता र य २ म म व ज्र श री रं
B11.06	पद्योनिस्तारय - २, मम वज्रशरीरं
L11.07	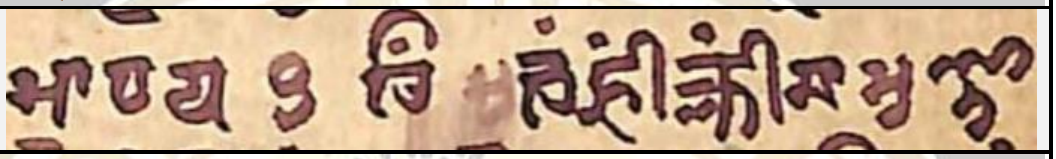
A11.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 सा ध य २ ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चा मु ण्डा
B11.07	साधय - २, ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डा-
L11.08	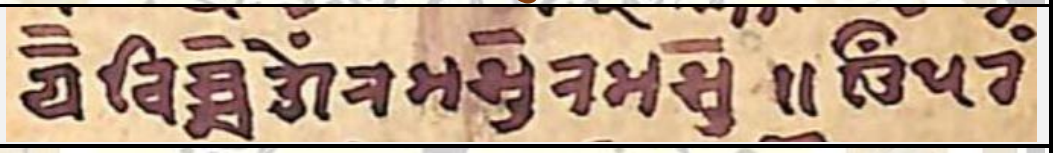
A11.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 ॥ 11 12 13 यै वि श्चे * न म स्ते न म स्ते ॥ ॐ प रं
B11.08	यै विश्चे* नमस्ते नमस्ते। ॐ परं
L11.09	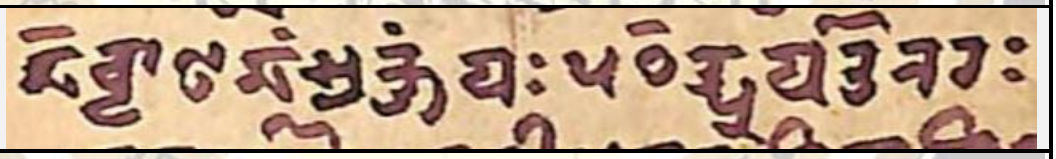
A11.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 दे व्या इ दं सू क्तं यः प ठे त्प्र य तो न रः
B11.09	देव्या इदं सूक्तं यः पठेत्प्रयतो नरः
L11.10	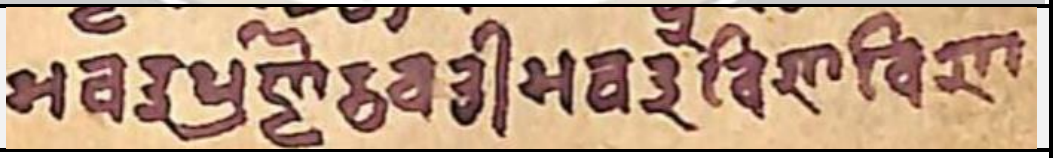
A11.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 स र्व त्र पू ज्यो भ व ती स र्व त्र वि ज वि ज
B11.10	सर्वत्रपूज्यो भवती(ति) सर्वत्र विजविज-

Date	26th July 2020 (continued…)

Notes	1. Line **10.10** continues to Line **11.01** [सर्वग्रहपीडा ज्वरोपग्रहमयं वि-] 2. In Line **11.10** that word should be **भवति**, not **भवती** and this line will continue to Line **12.01** 3. In Line **11.08** the word **विश्चे** is not clear, it appears like देवनागरी ओकार मात्रा. Request help from scholars 4. Version – 3: a. **[सर्वग्रहपीडा ज्वरोपग्रहमयं वि-] ध्वंसय -२, सर्वत्रभुवनजीवजातं वशमानय - २, मोक्षमार्गं दर्शय -२, प्रका.शय - २, अज्ञानतमो निरस्तय -२, धनधान्यादिसमृद्धं कुरु - २, सर्वकल्याणानि कल्पय - २, मां रक्षारक्ष सर्वापद्योनिस्तारय - २, मम वज्रशरीरं साधय - २, ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विश्चे* नमस्ते नमस्ते। ॐ परं देव्या इदं सूक्तं यः पठेत्प्रयतो नरः सर्वत्रपूज्यो भवति सर्वत्र विजविज-**

Page 12 Slokas L12.01 to L12.12

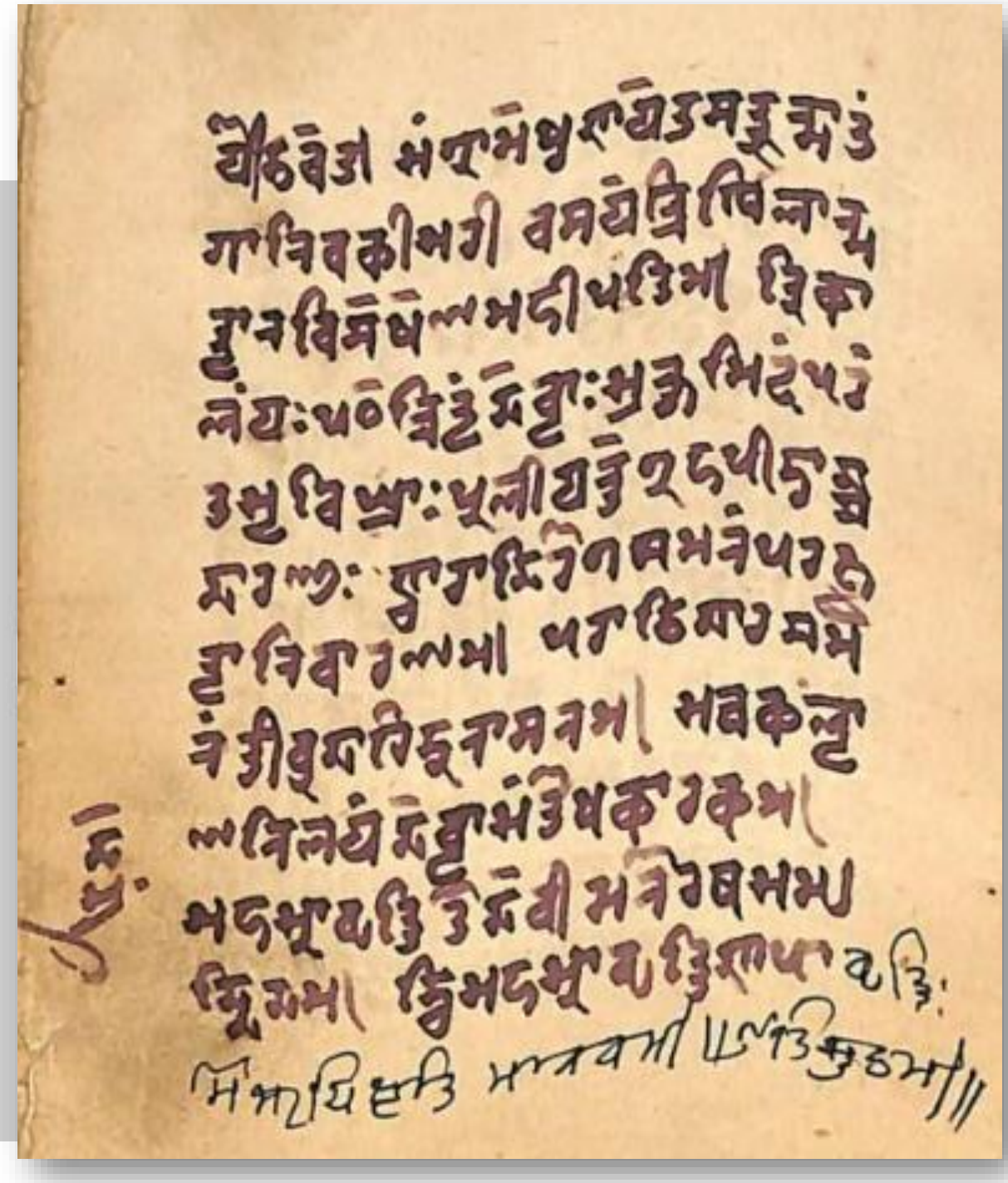

Sarada to Devanagari transliteration

Date	27th July, 2020

L12.01	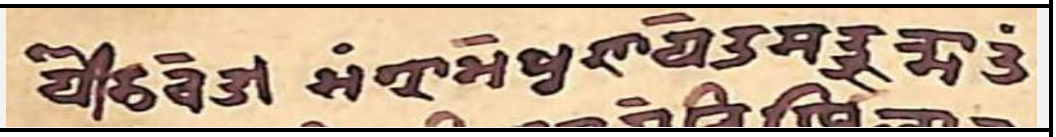
A12.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 यो/यी भ वे त् सं ग्रा मे षु ज ये त श त्रू न्मा तं-
B12.01	यो/यी भवेत् संग्रामेषु जयेत (त्) शत्रून्मातं-
L12.02	
A12.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 गा नि व की स री व श ये न्नि खि ला न्म-
B12.02	गानिव की(के)सरी वशयेन्निखिलान्म-
L12.03	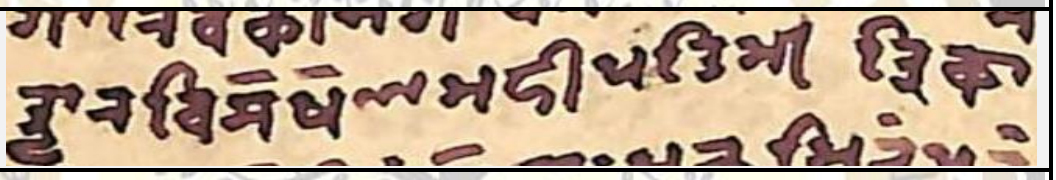
A12.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 र्त्या न वि शे षे ण म हि प ति म् त्रि का-
B12.03	र्त्यानविशेषेण महिपतिम् त्रिका-
L12.04	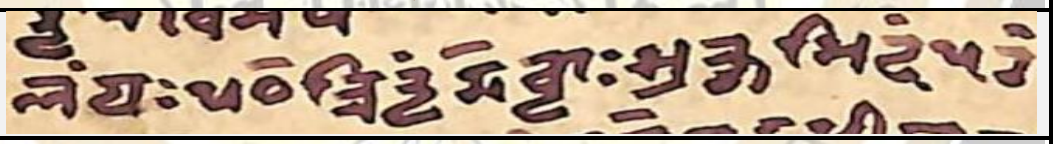
A12.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 लं यः प ठे न्नि त्यं दे व्याः सू क्त मि दं प रं
B12.04	लं यःपठेन्नित्यं देव्याः सूक्तमिदं परं
L12.05	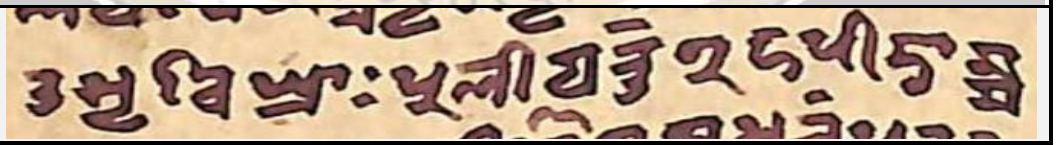
A12.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 त स्य वि घ्नाः प्र ली य न्ते ग्र ह पी डा च्च
B12.05	तस्य विघ्नाः प्रलीयन्ते ग्रहपीडाश्च

Date	27th July, 2020 (continued…)

L12.06	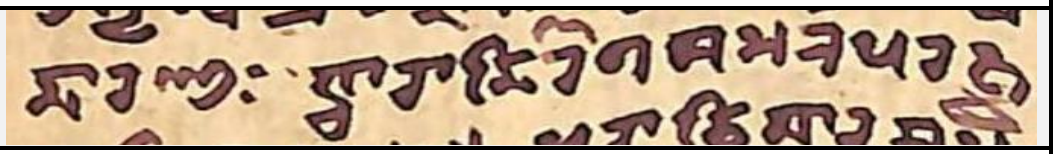
A12.06	1 दा 2 र 3 णाः 4 ज्व 5 रा 6 दि 7 रो 8 ग 9 श 10 म 11 नं 12 प 13 र 14 कृ-
B12.06	दारणाः ज्वरादिरोगशमनं परकृ-
L12.07	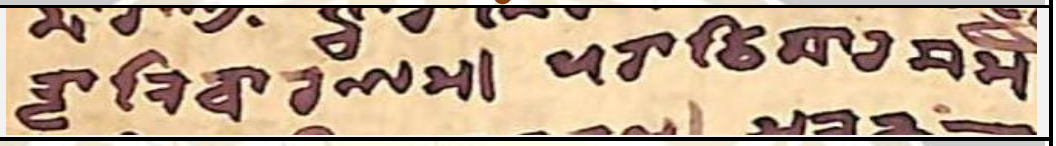
A12.07	1 त्या 2 नि 3 वा 4 र 5 ण 6 म् 7 प 8 रा 9 भि 10 चा 11 र 12 श 13 म-
B12.07	त्यानिवारणम् पराभिचारशम-
L12.08	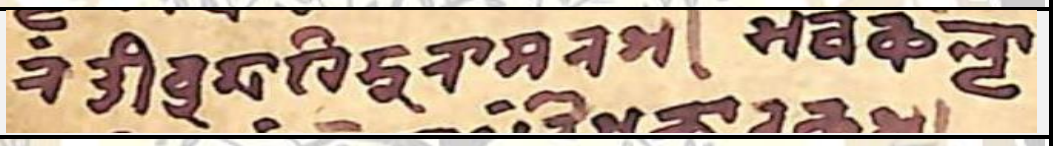
A12.08	1 नं 2 ती 3 व्र 4 दा 5 रि 6 द्र्य 7 ना 8 श 9 न 10 म 11 ॥ 12 स 13 र्व 14 क ल्या-
B12.08	नं तीव्रदारिद्र्यनाशनम सर्वकल्या-
L12.09	
A12.09	1 दे 2 ण 3 नि 4 ल 5 यं 6 दे 7 व्या 8 सं 9 तो 10 ष 11 का 12 र 13 क 14 म्
B12.09	णनिलयं देव्या संतोषकारकम्-
L12.10	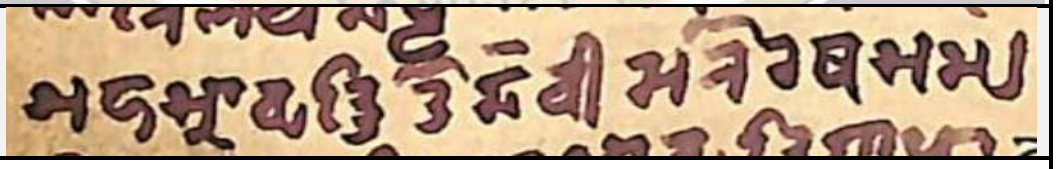
A12.10	1 स 2 ह 3 स्रा 4 वृ 5 त्ति 6 तो 7 दे 8 वी 9 म 10 नो 11 र 12 थ 13 स 14 मृ-
B12.10	सहस्रावृत्तितो देवी मनोरथसमृ-

Sarada to Devanagari transliteration

Date	27th July 2020 (continued…)

L12.11	
A12.11	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 द्धि द म् द्वि स ह स्त्रा वृ त्ति ज पा वृ त्तिः
B12.11	द्धिदम् द्विसहस्त्रावृत्ति जपावृत्तिः
L12.12	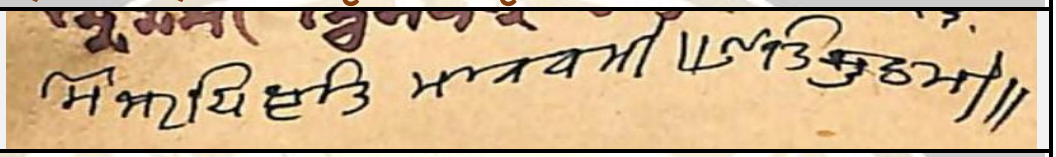
A12.12	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 II (मो क्ष यि ष्य ति मा न व म् इ ति शु भ म् ॥)
B12.12	(मोक्षयिष्यति मानवम्॥ इति शुभम्॥)

Date	27th July 2020 (continued…)

	1. In Line **12.01** that must be **जयेत्**, not **जयेत**, if we put **जयेत**, छन्द भङ्ग will happen. And in previous page विज विज - that is a scribe error, because if 1 विज word is removed, अनुष्टुपच्छन्दः is being completed. Hence it should be removed and विजयी भवेत् will make better reading as the scribe is using the 3rd person reference.
Notes	2. In Line 12.02 the word should bes **केसरी**, not **कीसरी**. 3. In Line 12.05 last word may be **ग्रहपीडाश्च**, not **ग्रहपीडाच्च**. 4. It is not clear as to why the scribe has added an additional line. This is fine if the next line is continuing on the next page. If this text is getting over by saying इति शुभम, then there should not be half left verse in next page. Hence it is unclear where this text should be placed 5. Version – 3: a. **[ॐ परं देव्या इदं सूक्तं यः पठेत्प्रयतो नरः। सर्वत्रपूज्यो भवति सर्वत्र विज] -यी भवेत्॥ संग्रामेषु जयेत् शत्रून्मातंगानिवकेसरी। वशयेन्निखिलान्मर्त्यानविशेषेण महिपतिम्॥ त्रिकालं यः पठेन्नित्यं देव्याः सूक्तमिदं परम्। तस्य विघ्नाः प्रलीयन्ते ग्रहपीडाश्च*दारणाः॥ ज्वरादिरोगशमनं परकृत्यानिवारणम्। पराभिचारशमनं तीव्रदारिद्र्यनाशनम्॥ सर्वकल्याणनिलयं देव्या संतोषकारकम्।सहस्रावृत्तितो देवी मनोरथसमृद्धिदम्॥ द्विसहस्त्रावृत्ति जपावृत्तिः … (मोक्षयिष्यति मानवम्॥ इति शुभम्॥)**

Page 13 Slokas L13.01 to L13.07

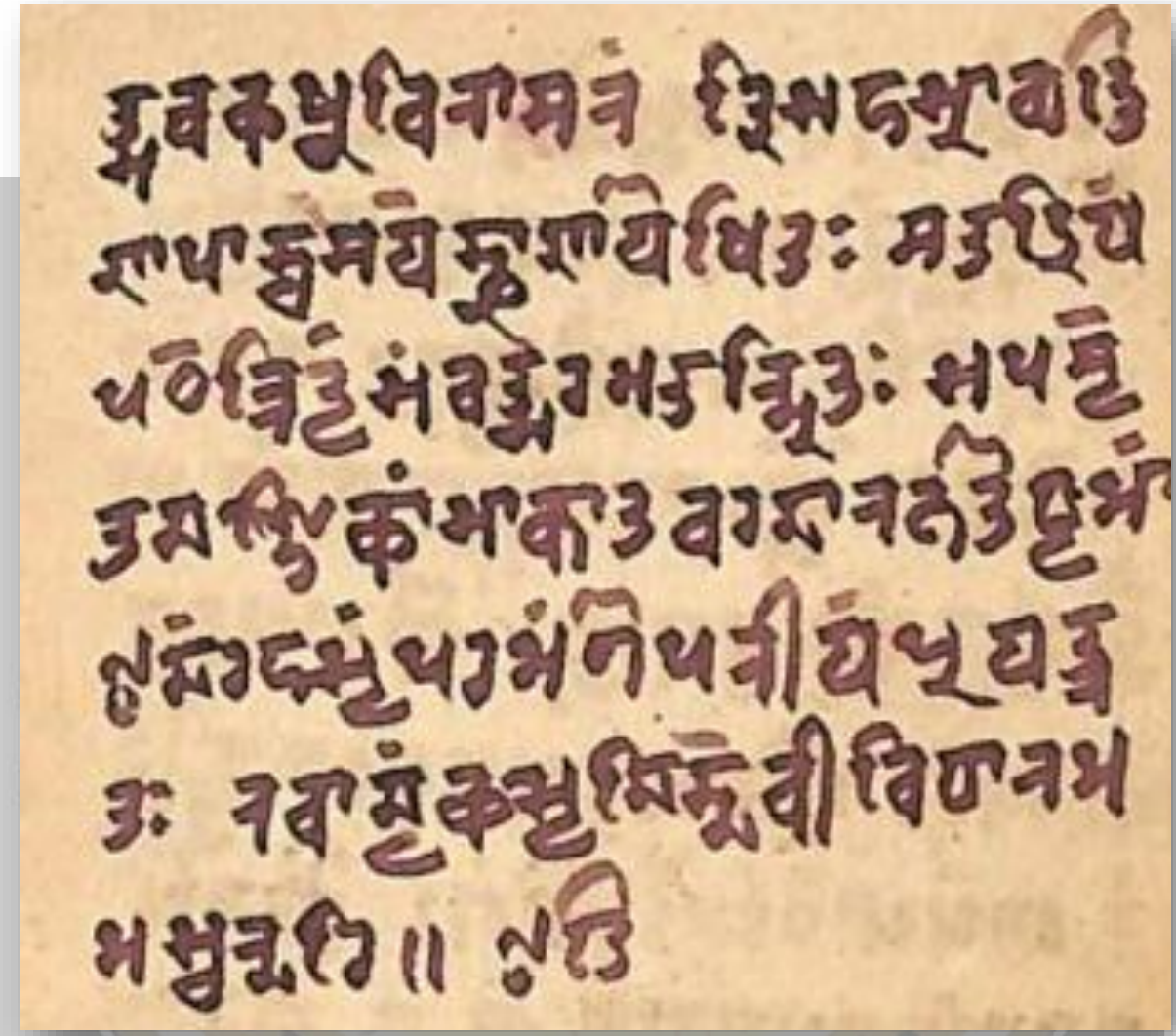

Date	28th July, 2020

L13.01	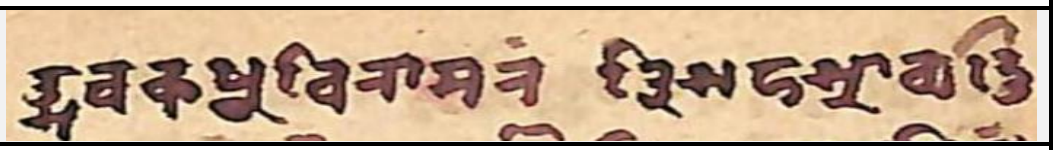
A13.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 त्स र्व क ष्ट वि ना श नं त्रि स ह स्त्रा वृ ति-
B13.01	त्सर्वकष्टविनाशनं त्रिसहस्त्रावृत्ति-
L13.02	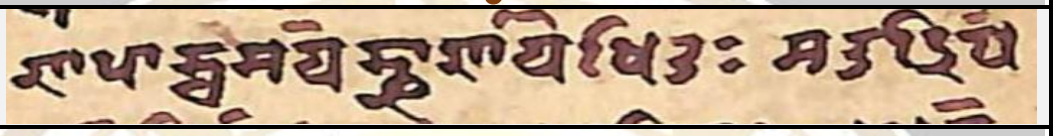
A13.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 ज पा द्व श ये द्भ्रा ज यो षि तः श त त्रि धं
B13.02	जपाद्वशयेद्भ्राजयोषितः शतत्रिधं
L13.03	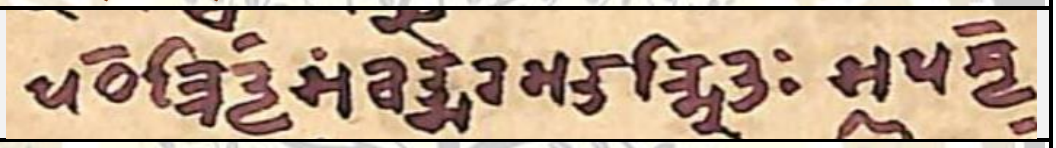
A13.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 प ठे न्नि त्यं सं व त्स र म त न्द्रि तः स प श्ये-
B13.03	पठेन्नित्यं संवत्सरमतन्द्रितः स पश्ये-
L13.04	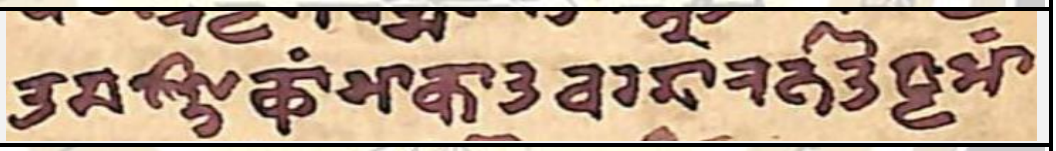
A13.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 त च ण्डि कां सा क्षा त व र दा न कृ तो ध्य सां
B13.04	त(त्) चण्डिकां साक्षात (त्) वरदान कृतोध्यसां [साक्षात् वरदानकृतोद्यमाम्]
L13.05	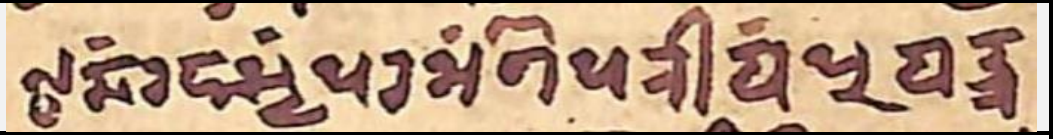
A13.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 इ दं र ह स्यं प र मं गो प नी यं प्र य त्न-
B13.05	इदं रहस्यं परमं गोपनीयं प्रयत्न-

Date	28th July 2020 (continued…)

L13.06	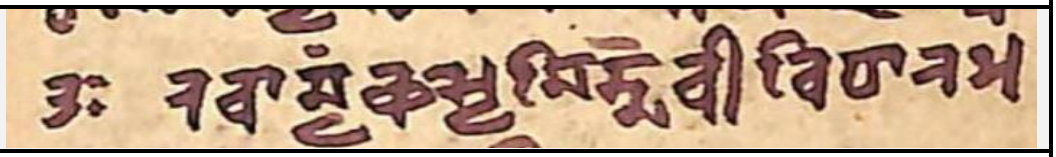
A13.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 तः न वा च्यं क स्य चि द्दे वी वि धा न म-
B13.06	तः न वाच्यं कस्यचिद्देवीविधान म-
L13.07	
A13.07	1 2 3 4 ॥ 5 6 म सु न्द रि ॥ इ ति
B13.07	म सुन्दरि॥इति॥

Date	28th July 2020 (continued…)

	1. There seems to be no continuation from Line **12.10** and Line **13.01**. However, Line **13.01** starts with **त्** creating a confusion. 2. In Line **13.04** that should be **पश्येत्**, not **पश्येत**, and it is **साक्षात्**, not **साक्षात…**
Notes	3. Version – 3: a. **त्सर्वकष्टविनाशनं त्रिसहस्त्रावृत्तिजपाद्वशयेद्भ्राजयोषितः शतत्रिधं पठेन्नित्यं संवत्सरमतन्द्रितः स पश्येत् चण्डिकां साक्षात् वरदान कृतोध्यसां [साक्षात् वरदानकृतोद्यमाम्] इदं रहस्यं परमं गोपनीयं प्रयत्न-तः न वाच्यं कस्यचिद्देवीविधान मम सुन्दरि॥इति॥**

Page 14 Slokas L14.01 to L14.11

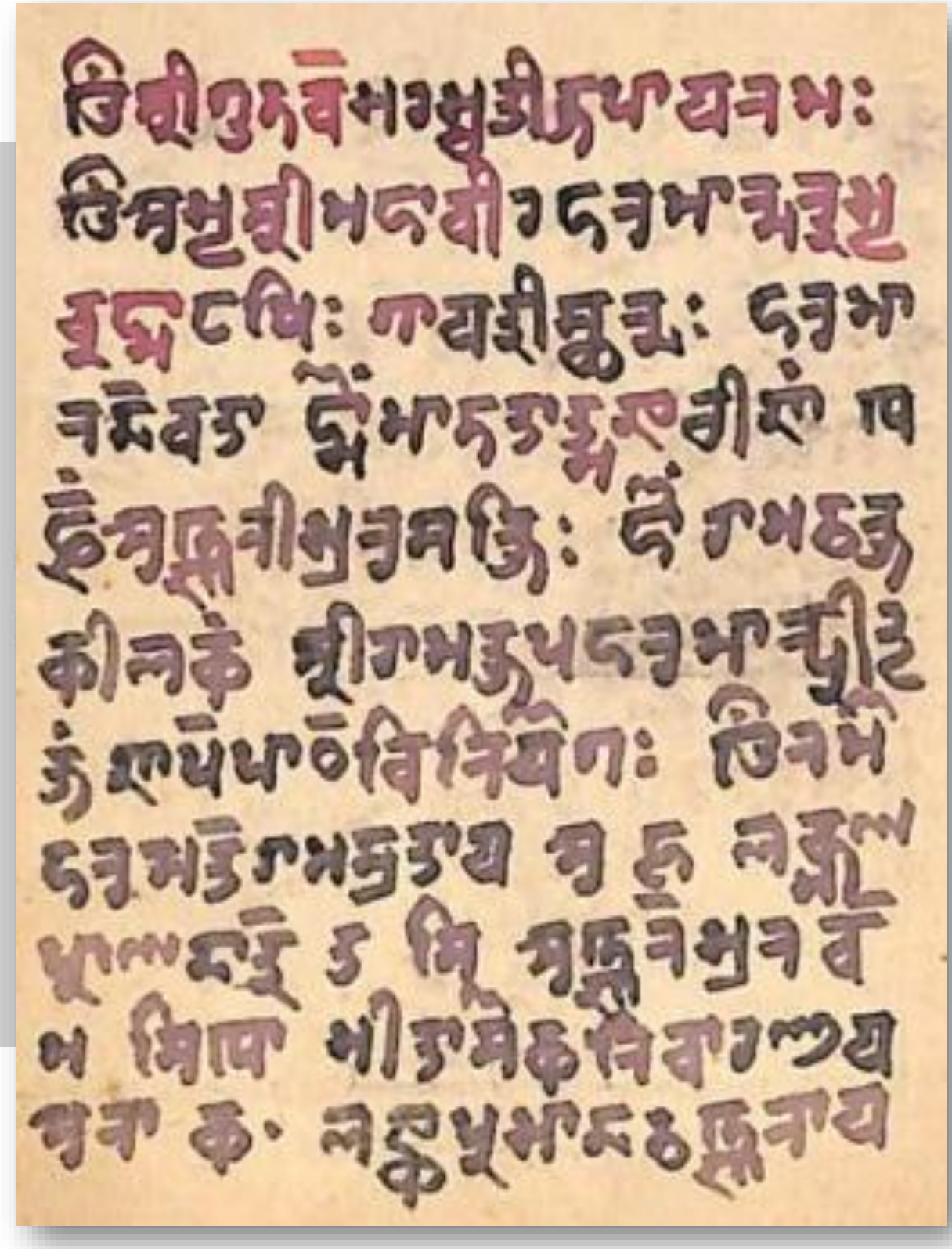

Sarada to Devanagari transliteration

Date	28th July, 2020

L14.01	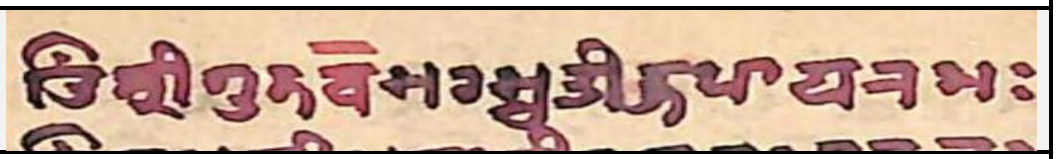
A14.01	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 ॐ श्री गु रु वे स र स्व ती रू पा य न मः
B14.01	ॐ श्री गुरुवे [गुरवे] सरस्वतीरूपाय नमः
L14.02	
A14.02	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 ॐ अ स्य श्री म हा वी र ह नु मा न्म न्त्र स्य
B14.02	ॐ अस्य श्री महावीरहनुमा(मन्म)न्मन्त्रस्य
L14.03	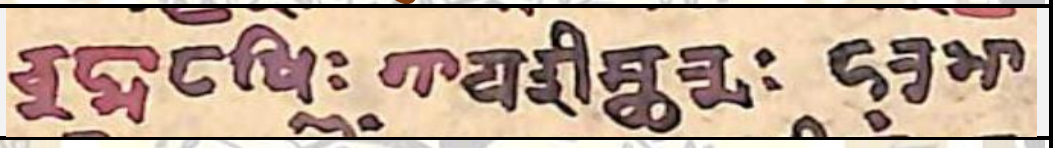
A14.03	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ब्र हमा ऋ षिः गा य त्री च्छ न्दः ह नु मा-
B14.03	ब्रहमा ऋषिः गायत्री च्छन्दः हनुमा-
L14.04	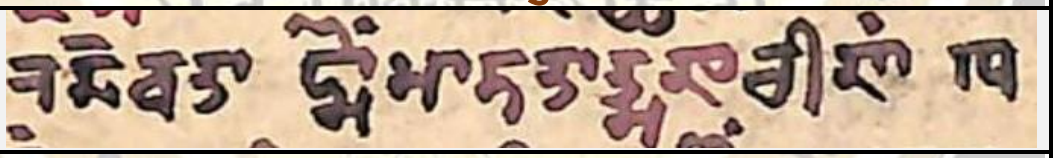
A14.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 न दे व ता हमौं मा रु ता त्स जा बी जं ख-
B14.04	न(न्) देवता हमौं मारुतात्मजाबीजं ख-
L14.05	
A14.05	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 ह्रें अ ञ्ज नी सू नु श क्तिः हौं रा म भ क्त-
B14.05	ह्रें अञ्जनीसूनुशक्तिः हौं रामभक्त-

Date	28th July, 2020 (continued…)

L14.06	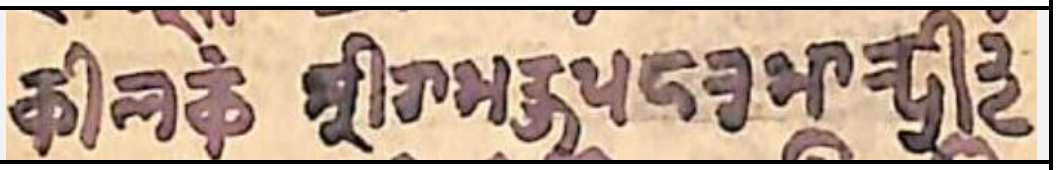
A14.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 की ल कं श्री रा म रू प ह नु मा न्प्री त्य-
B14.06	कीलकं श्रीरामरूपहनुमान्प्री(मत्प्री)त्य-
L14.07	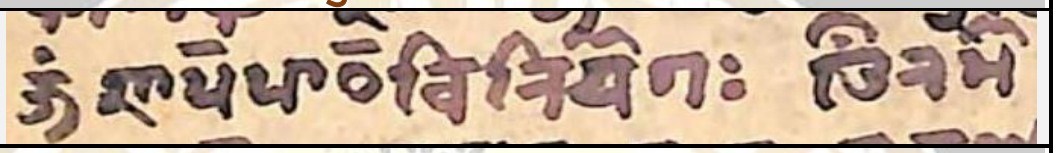
A14.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 थं ज पे पा ठे वि नि यो गः ॐ न मो
B14.07	थं जपे पाठे विनियोगः ॐ नमो
L14.08	
A14.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 नं ती व्र दा रि द्र्य ना श न म ॥ स र्व क ल्या-
B14.08	नं तीव्रदारिद्र्यनाशनम सर्वकल्या-
L14.09	
A14.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 प्रा ण दा त्रे त शि अ ञ्ज ने सू न वे
B14.09	प्राणदात्रे त शि अञ्जने(नी)सूनवे
L14.10	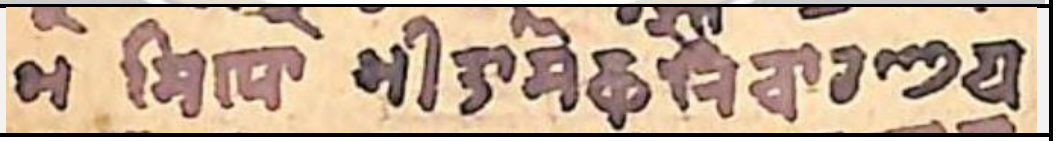
A14.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 म शि खा सी ता शो क नि वा र णा य
B14.10	म शिखा सीताशोकनिवारणाय

Sarada to Devanagari transliteration

Date	28th July 2020 (continued…)

L12.11	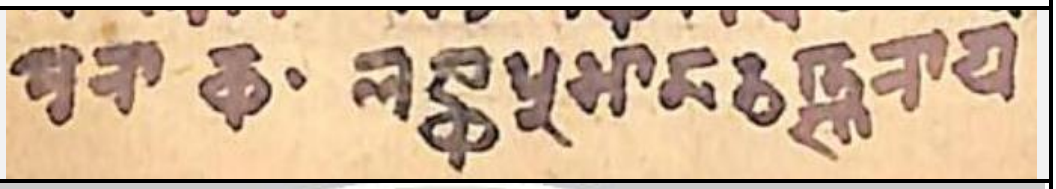											
A12.11	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	अ	ना	क - ।	ल	ड्का	प्र	सा	द	भ	ञ्ज	ना	य
B12.11	अनाक*। लड्काप्र(प्रा)सादभञ्जनाय											

Sarada to Devanagari transliteration

Date	28th July 2020 (continued…)

1. In Line **14.02** if it is सामासिक पदं then it should be **महावीरहनुमन्मन्त्रस्य**।
2. In Line **14.06** - if it is सामासिक पदं then it should be श्री**रामरूपहनुमत्प्रीत्यर्थम्**.
3. In Line **14.09** – that may be **अञ्जनीसुनवे, अञ्जने सुनवे** because if it is 5/6th विभक्ति then विसर्ग must be there. There is no clarity on the **त शि** word
4. In Line **14.10** – Clarity is not there as to why **म** is appearing
5. In Line **14.11** – Clarity is not there with respect to the word **अनाक**
6. Version – 3:
   a. **ॐ श्री गुरवे सरस्वतीरूपाय नमः। ॐ अस्य श्री महावीरहनुमन्मन्त्रस्य। ब्रह्मा ऋषिः । गायत्री च्छन्दः ।हनुमान(न्) देवता। ह्मौं मारुतात्मजाबीजं। ख-**
   b. **ह्रें अञ्जनीसूनुशक्तिः। ह्रौं रामभक्तकीलकं। श्रीरामरूपहनुमत्प्रीत्यर्थं जपे पाठे विनियोगः। ॐ नमो हनुमते रामचन्द्राय अहय लक्ष्मणप्राणदात्रे त शि अञ्जनीसूनवे म* शिखा सीताशोकनिवारणाय अनाक * । लङ्काप्रासादभञ्जनाय**

Date	29th July 2020

- Transliteration from Devanagari to Sarada Lipi – Lalitha Sahasranamam, few lines

Page 15 Slokas L15.01 to L15.10

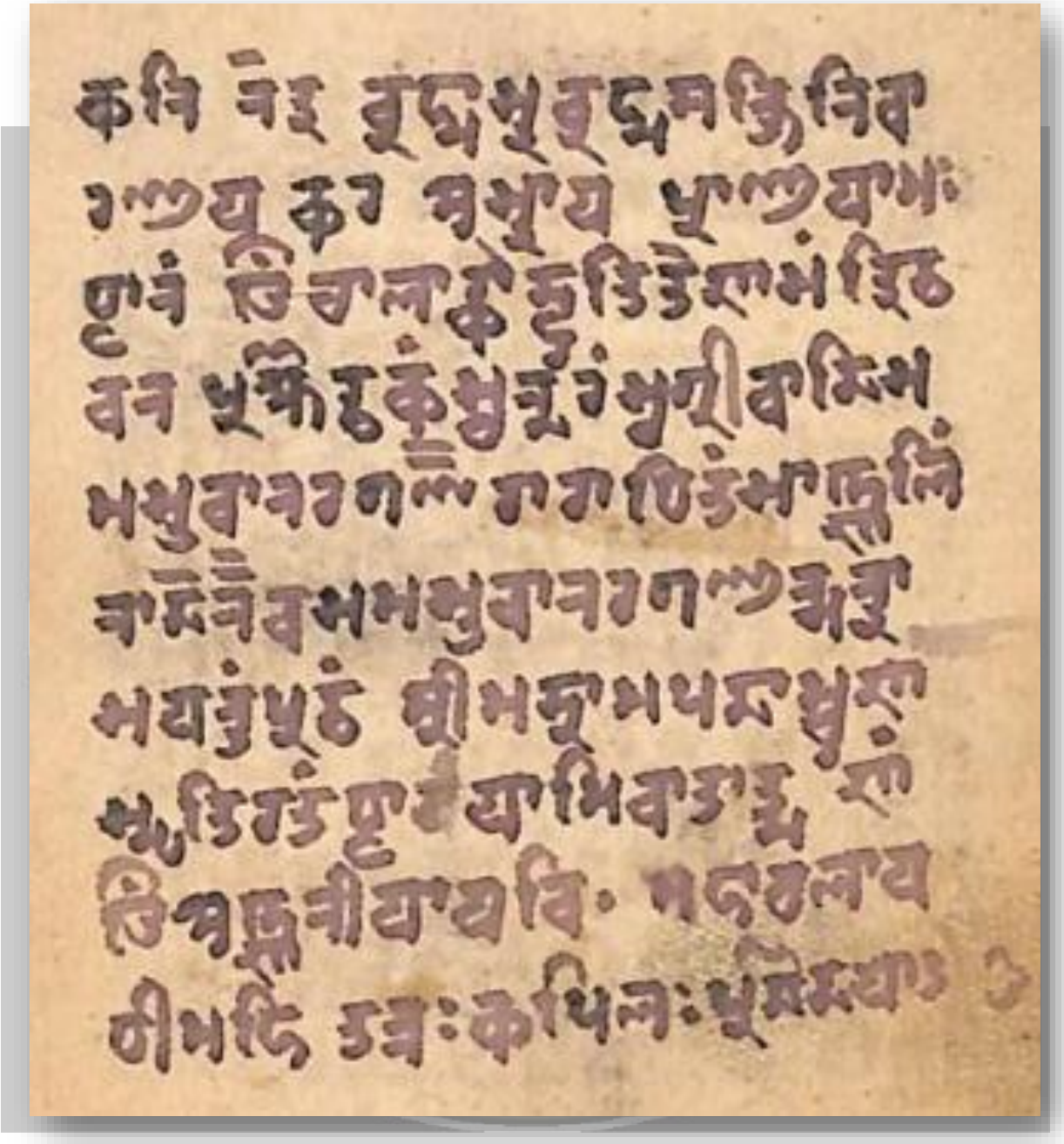

Date	30th July, 2020

L15.01	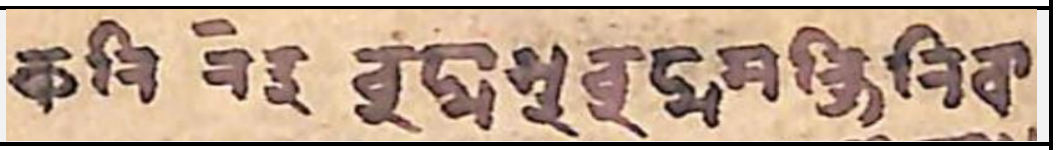												
A15.01	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	क	नि	ने	त्र	ब्र	ह्मा	स्त्र	ब्र	ह्म	श	क्ति	नि	वा
B15.01	कनि नेत्र ब्रह्मास्त्रब्रह्मशक्तिनिवा-												
L15.02													
A15.02	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
	र	णा	य	क	र	अ	स्त्रा	य	प्रा	णा	या	मः	
B15.02	रणाय कर अस्त्राय प्राणायामः -												
L15.03	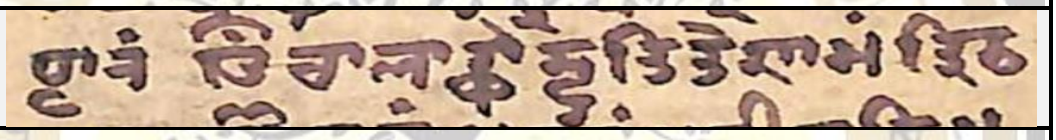												
A15.03	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
	ध्या	नं	ॐ	बा	ला	र्का	द्यु	ति	ते	ज	सं	त्रि	भ
B15.03	ध्यानं - ॐबालार्कद्युतितेजसं त्रिभ-												
L15.04	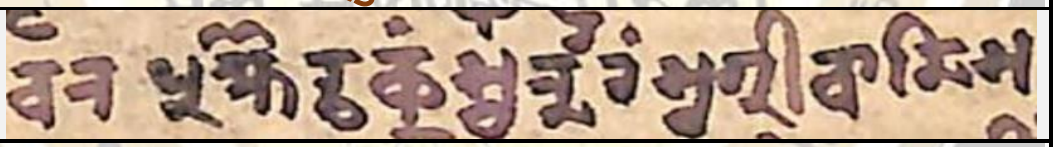												
A15.04	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
	व	न	प्र	क्षो	र्भ	कं	सु	न्द	रं	सु	ग्री	वा	दि	स
B15.04	वनप्रक्षोऽर्भकं सुन्दरं सुग्रीवादि स-													
L15.05														
A15.05	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
	म	सु	वा	न	र	ग	णै	गा	रा	धि	तं	सा	ञ्ज	लिं
B15.05	मसुवानरगणैराराधितं साञ्जलिं													

Sarada to Devanagari transliteration

Date	30th July, 2020 (continued…)

L15.06	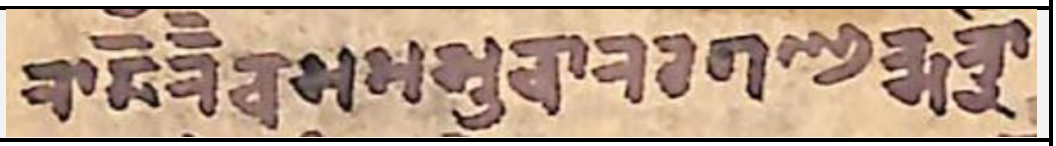
A15.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 ना दे नै व स म सु वा न र ग णा न्म न्त्रा
B15.06	नादेनैव समसुवानरगणान्मन्त्रा-
L15.07	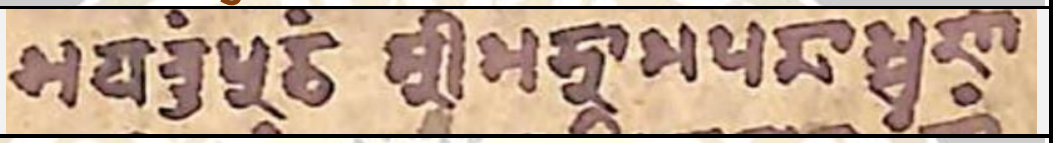
A15.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 म य न्तं प्र भं श्री म द्रा म प दा म्बु ज
B15.07	मयन्तं प्रभं श्रीमद्रामपदाम्बुज-
L15.08	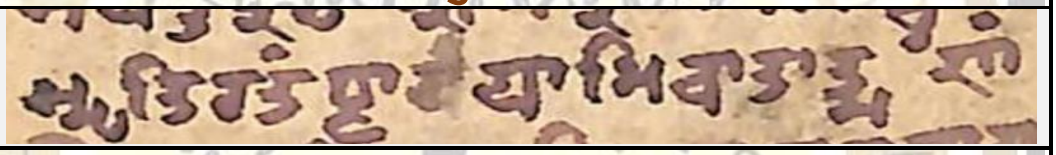
A15.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 स्मृ ति र तं ध्या या मि वा ता त्म जं
B15.08	स्मृतिरतं ध्यायामि वातात्मजं -
L15.09	
A15.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ॐ अ ञ्ज नी या य वि म हा ब ला य
B15.09	ॐ अञ्जनीयाय वि.(विद्महे) महाबलाय
L15.10	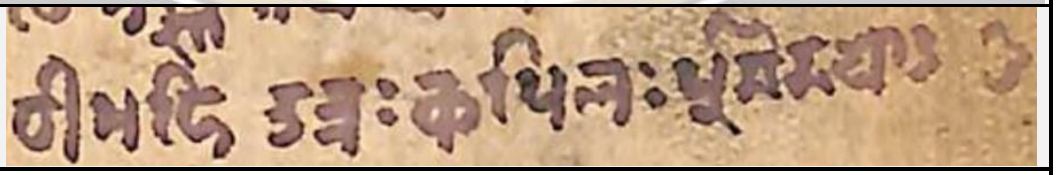
A15.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 धी म हि त न्नः क पि लः प्र चो द या त
B15.10	धीमहि तन्नःकपिलः प्रचोदयात(त्)

Date	30th July 2020 (continued…)

1. In Line **15.01** the first word is not clear, it seems to be a continuation from Line **14.11**
2. In Line **15.03** – the word looks like **तेजमं** but correct reading will be **तेजसं.**
3. In Line **15.09** – the word stops at **वि**, it should be the complete word **विद्महे.** Looks to be a scribe error.
4. In Line **15.10** – last word should be **प्रचोदयात्** and not **प्रचोदयात**.
5. Version – 3:
   a. **कनि नेत्र ब्रह्मास्त्रब्रह्मशक्तिनिवारणाय कर अस्त्राय प्राणायामः - ध्यानं - ॐबालार्कद्युतितेजसं त्रिभवनप्रक्षोऽर्भकं सुन्दरं सुग्रीवादि समसुवानरगणैराराधितं साञ्जलिं नादेनैव समसुवानरगणान्मन्त्रामयन्तं प्रभं श्रीमद्रामपदाम्बुजस्मृतिरतं ध्यायामि वातात्मजं ॐ अञ्जनीयाय विद्महे महाबलायधीमहि तन्नःकपिलः प्रचोदयात्**

Page 16 Slokas L16.01 to L16.11

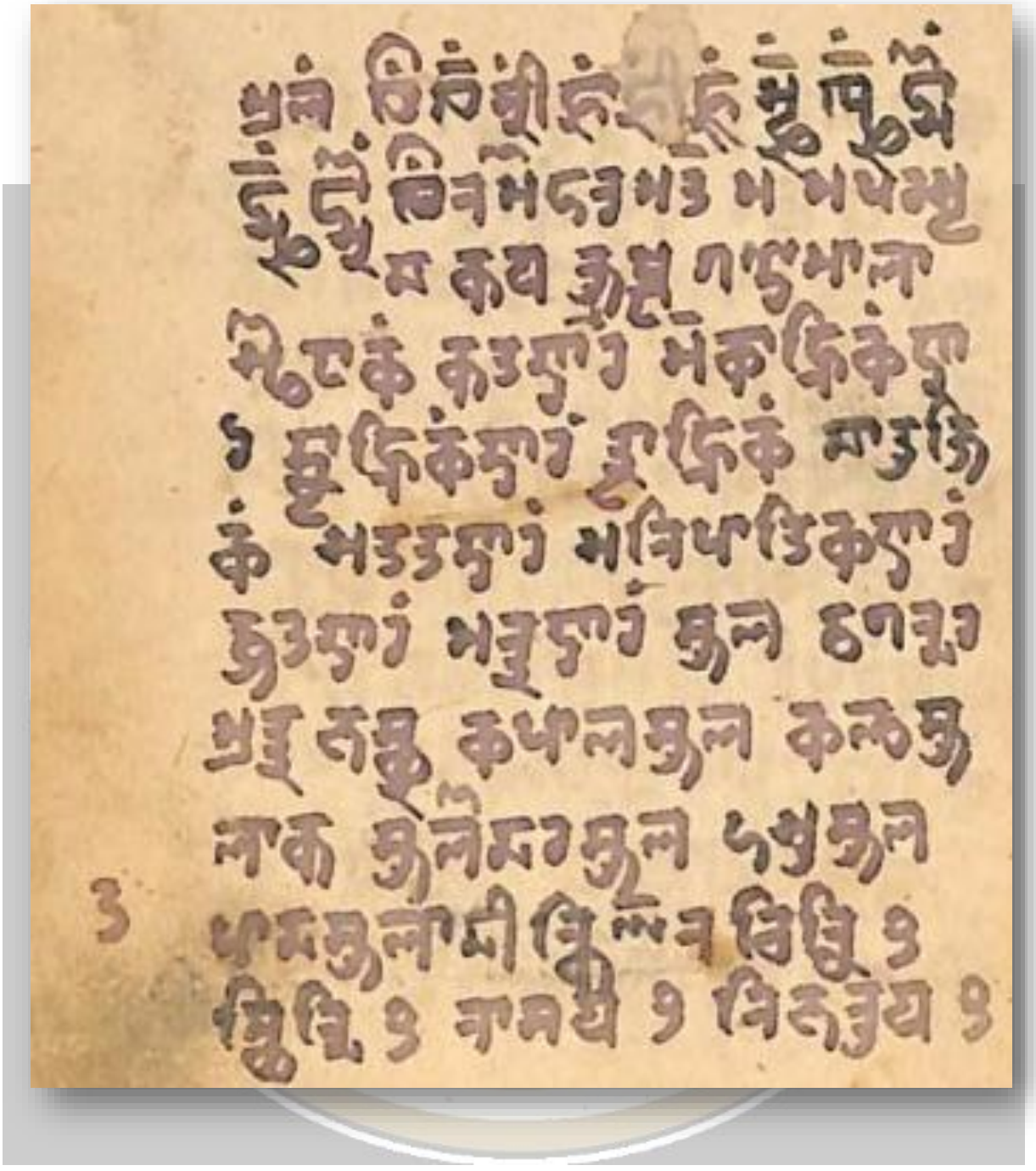

Sarada to Devanagari transliteration

Date	31st July, 2020

L16.01	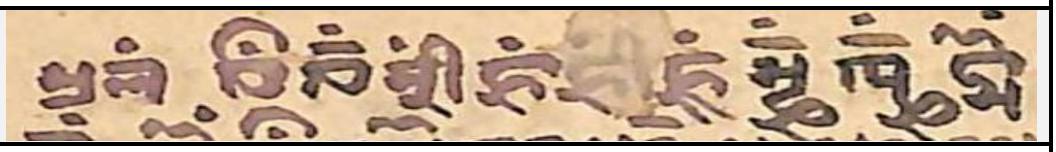
A16.01	1 मू 2 लं 3 ॐ 4 ऐं 5 श्रीं 6 ह्रां (ह्रीं) 7 ह्रूं 8 स्ह्रें(स्फ्रें) 9 ख्ह्रें(ख्फ्रें) 10 ह्रमौं
B16.01	मूलं ॐ ऐं श्रीं ह्रां (ह्रीं) ह्रूं स्ह्रें (स्फ्रें) ख्ह्रें(ख्फ्रें) ह्रमौं
L16.02	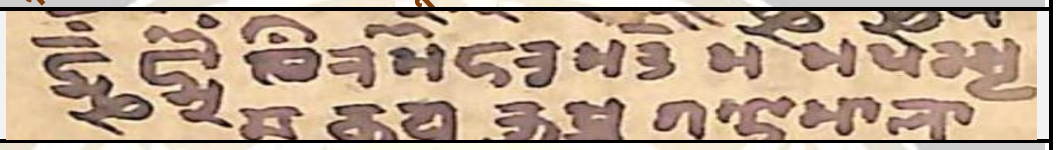
A16.02	1 ह्रम्फ्रें 2 ह्रमौं 3 ॐ 4 न 5 मो 6 ह 7 नु 8 म 9 ते 10 म 11 म 12 प 13 र 14 स्य
B16.02	ह्रम्फ्रें ह्रमौं ॐ नमो हनुमते मम परस्य
L16.03	
A16.03	1 च 2 क्ष 3 य 4 कु 5 ष्ट 6 ग 7 ण्ड 8 मा 9 ला-
B16.03	च क्ष य कु ष्ट ग ण्ड मा ला-
L16.04	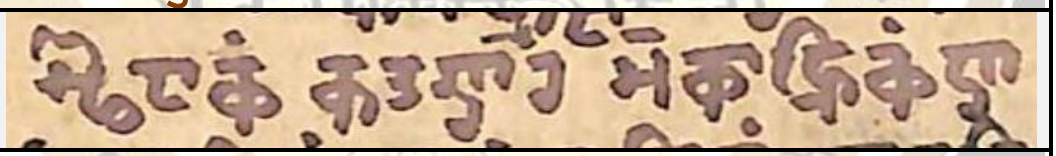
A16.04	1 स्फो 2 ट 3 कं 4 क्ष 5 त 6 ज्व 7 र 8 मे 9 का 10 हिन 11 कं 12 ज्व-
B16.04	स्फोटकं क्षतज्वरमेकाहिनकं ज्व-
L16.05	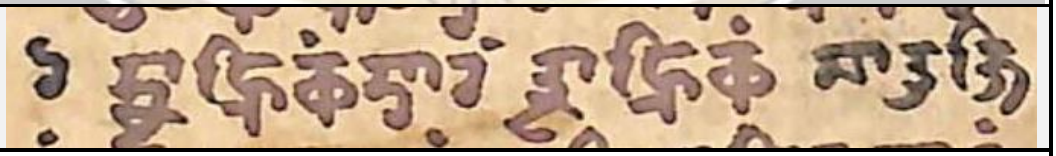
A16.05	1 रं 2 द्व्या 3 हिन 4 कं 5 ज्व 6 रं 7 त्र्या 8 हिन 9 कं 10 चा 11 तु 12 र्थि-
B16.05	रं द्व्याहिनकं ज्वरं त्र्याहिनकं चातुर्थि-

Date	31st July, 2020 (continued…)

L16.06	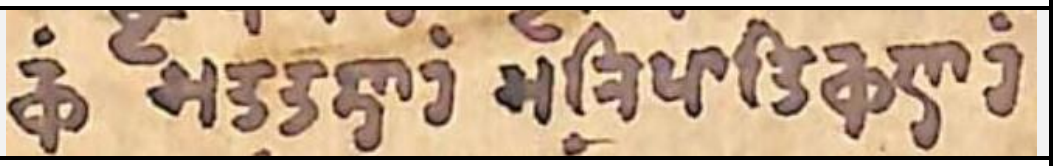
A16.06	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 कं स त त ज्व रं स नि पा ति क ज्व रं
B16.06	कं सततज्वरं स(सं)निपातिकज्वरं
L16.07	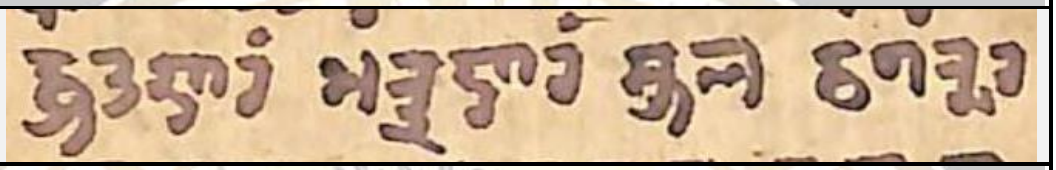
A16.07	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 भू त ज्व रं म न्त्र ज्व रं शू ल भ ग न्द र-
B16.07	भूतज्वरं मन्त्रज्वरं शूलभगन्दर-
L16.08	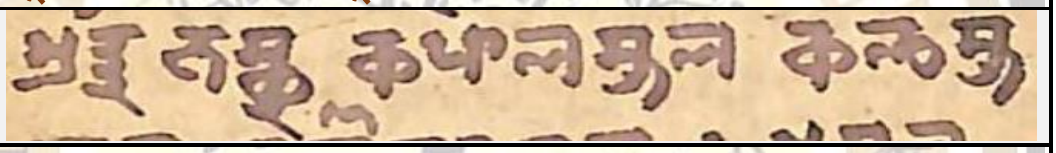
A16.08	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 मू त्र कृ च्छ्र क पा ल शू ल- क र्ण शू-
B16.08	मूत्रकृच्छ्रकपालशूल-कर्णशू-
L16.09	
A16.09	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 ला क्ष शू लो द र शू ल ह स्त शू ल
B16.09	लाक्षशूलोदरशूल हस्तशूल
L16.10	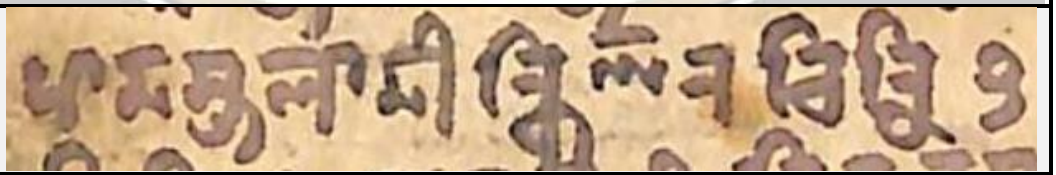
A16.10	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 पा द शू ला दी न्क्षि णे न वि न्धि -२
B16.10	पादशूलादीन् क्षिणेन विन्धि - २

Sarada to Devanagari transliteration

Date	31st July, 2020 (continued…)

L16.11	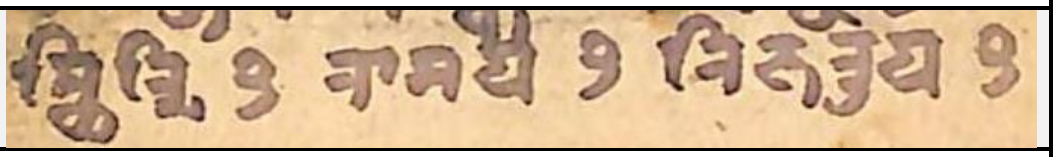											
A16.11	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	च्छि	न्दि	- २	ना	श	य-	२	नि	कृ	न्त	य	-२
B16.11	च्छिन्दि(न्धि) - २ नाशय- २ निकृन्तय -२											

CORE SHARDA TEAM
मूल शारदा मंडली
शारदा सीखें • शारदा सिखाएं

Date	31st July 2020 (continued…)

	1. In Line **16.06** the word can be संनिपातिकज्वरं or सन्निपातकज्वरं 2. In Line **16.11** – the word should be च्छिन्धि.
	3. More clarity is required on the above tantric words 4. Version – 3: a. **मूलं ॐ ऐं श्रीं ह्रां (ह्रीं) ह्रूं स्ह्रैं (स्फ्रें) ख्ह्रैं(ख्फ्रें) ह्मौं ह्म्फ्रें ह्म्रौं ॐ नमो हनुमते मम परस्य च क्षयकुष्टगण्डमालास्फोटकं क्षतज्वरमेकाह्निकं ज्वरं द्व्याह्निकं ज्वरं त्र्याह्निकं चातुर्थिकं सततज्वरं संनिपातिकज्वरं भूतज्वरं मन्त्रज्वरं शूलभगन्दरमूत्रकृच्छ्रकपालशूल-कर्णशूलाक्षशूलोदरशूल हस्तशूल पादशूलादीन् क्षिणेन विन्धि - २ च्छिन्धि - २ नाशय- २ निकृन्तय -२**

Bahuroopagarbah slokas - Devanagari to Sarada translation – 1st August 2020

Break – 2nd and 3rd August 2020

Page 17 Slokas L17.01 to L17.11

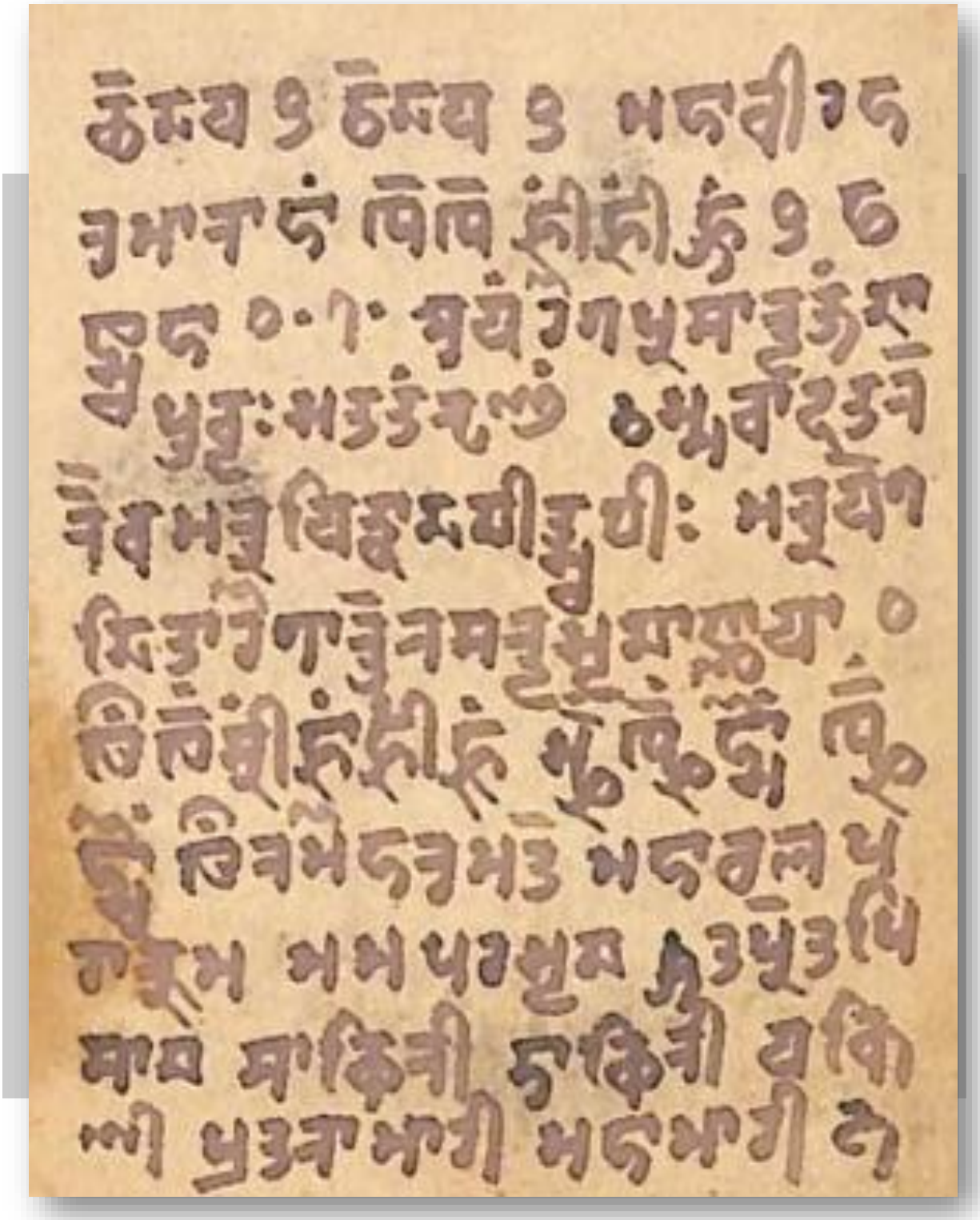

Sarada to Devanagari transliteration

Date	4th August, 2020

L17.01	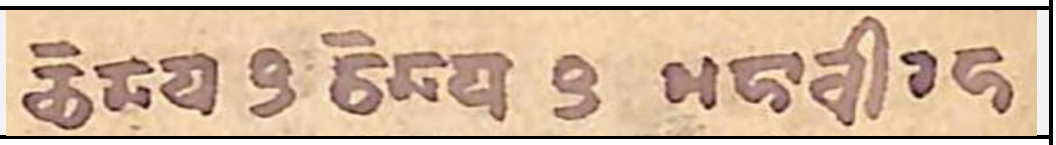
A17.01	1 छे 2 द 3 य 4 २ 5 भे 6 द 7 य 8 २ 9 म 10 हा 11 वी 12 र 13 ह-
B17.01	छेदय - २ भेदय - २ महावीर ह-
L17.02	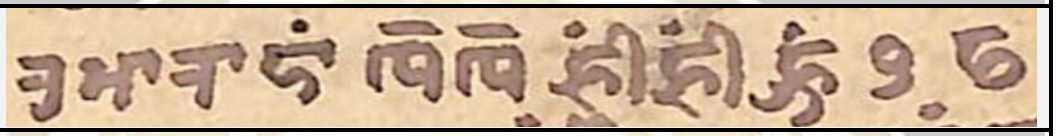
A17.02	1 नु 2 मा 3 ना 4 हां 5 खे 6 खे 7 ह्रीं 8 ह्रीं 9 हूं 10 २ 11 फ-
B17.02	नुमाना हां खे खे ह्रीं ह्रीं हूं २ फ-
L17.03	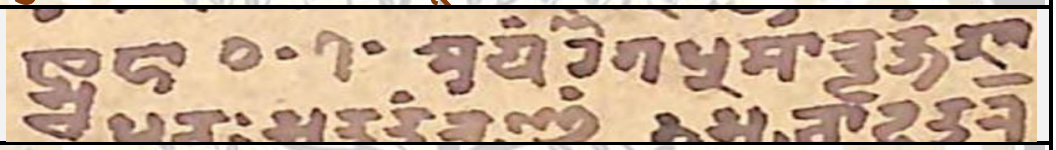
A17.03	1 ट्स्वा 2 हा 3 १ ० 4 ७ ० 5 अ 6 यं 7 रो 8 ग 9 प्र 10 शा 11 न्त्य 12 र्थं 13 ज-
B17.03	ट् स्वाहा १०७० अयं रोगप्रशान्त्यर्थं ज-
L17.04	
A17.04	1 प्त 2 व्यः 3 स 4 त 5 तं 6 नृ 7 णां 8 भ 9 स्म 10 वा 11 र्य 12 त 13 ने-
B17.04	प्तव्यः सततं नृणां भस्मवार्यतने-
L17.05	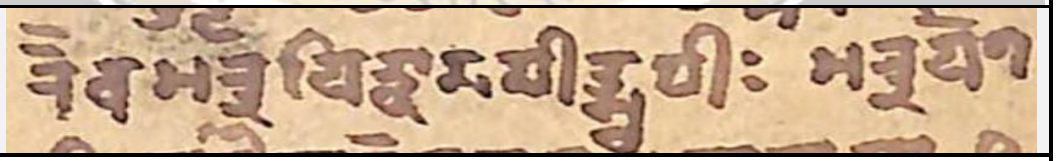
A17.05	1 नै 2 व 3 म 4 न्त्र 5 यि 6 त्वा 7 द 8 धी 9 त्सु 10 धीः 11 म 12 न्त्र 13 ये 14 न
B17.05	नैव मन्त्रयित्वादधीत्सुधीः मन्त्र येन

Date	4th August, 2020 (continued…)

L17.06	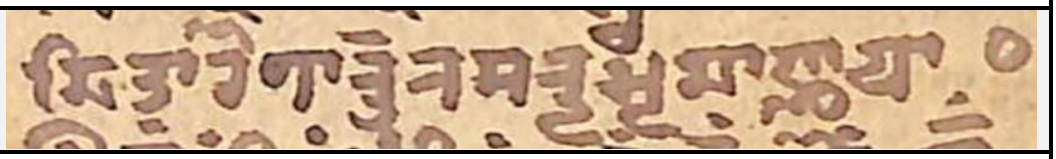
A17.06	1 दि 2 ता 3 रो 4 गा 5 न्ते 6 न 7 श 8 न्त्य 9 स्य 10 चा 11 ज्ञ 12 या 13 १
B17.06	दितारोगान्ते नशन्त्यस्य चाज्ञया १
L17.07	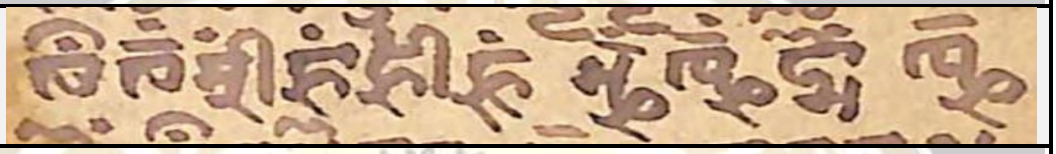
A17.07	1 ॐ 2 ऐं 3 श्रीं 4 ह्रां 5 ह्रीं 6 ह्रुं 7 स्फ्रें/म्फ्रें 8 ख्ह्रें 9 ह्सौं /ह्मौं 10 ख्ह्रें
B17.07	ॐ ऐं श्रीं ह्रां ह्रीं ह्रुं स्फ्रें/म्फ्रें ख्ह्रें ह्सौं /ह्मौं ख्ह्रें
L17.08	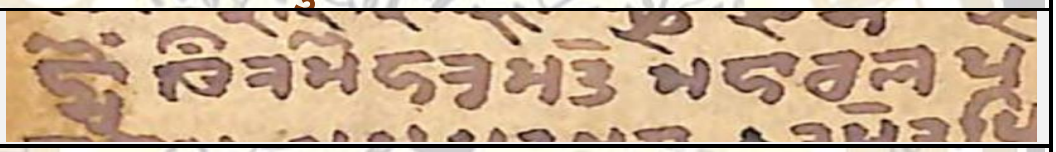
A17.08	1 ह्सौं 2 ॐ 3 न 4 मो 5 ह 6 नु 7 म 8 ते 9 म 10 हा 11 ब 12 ल 13 प
B17.08	ह्सौं ॐ नमो हनुमते महाबल प
L17.09	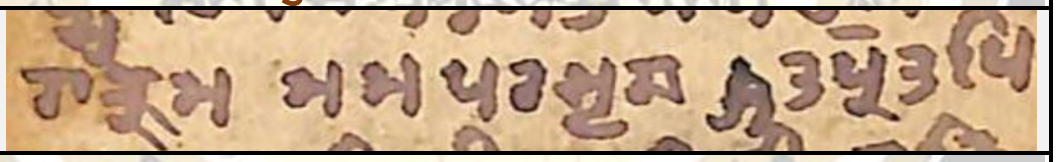
A17.09	1 रा 2 क्र 3 म 4 म 5 म 6 प 7 र 8 स्य 9 च 10 भू 11 त- 12 प्रे 13 त- 14 पि
B17.09	राक्रम मम परस्य च भूत-प्रेत-पि
L17.10	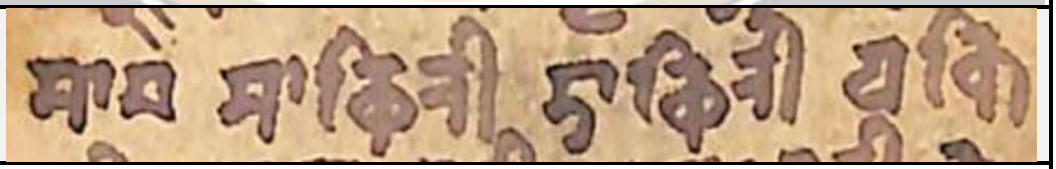
A17.10	1 शा 2 च- 3 शा 4 कि 5 नी- 6 डा 7 कि 8 नि- 9 य 10 क्षि-
B17.10	शाच-शाकिनी-डाकिनि-यक्षि-

Date	4th August, 2020 (continued…)

L17.11	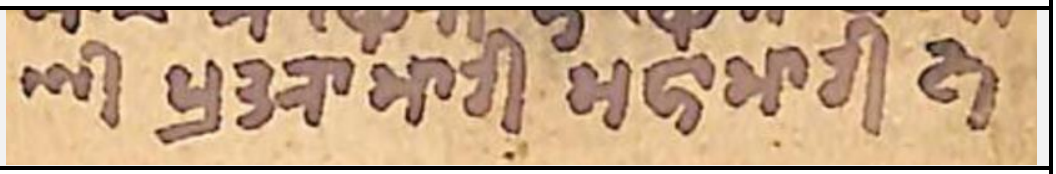										
A17.11	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	णी	पू	त	ना	मा	री	म	हा	मा	री	कृ-
B17.11	णी-पूतना-मारी-महामारी-कृ-										

Date	4th August, 2020 (continued…)

1. More clarity is required on the tantric words – hence corrections have not been done
2. Line **17.11** will continue to the next line, Line **18.01**
3. Version – 3:
   a. **छेदय - २ भेदय - २ महावीर हनुमाना ह्रां खे खे ह्रीं ह्रीं ह्रूं २ फट् स्वाहा १०७० अयं रोगप्रशान्त्यर्थं जप्तव्यः सततं नृणां भस्मवार्यतनेनैव मन्त्रयित्वा*दधीत्सुधीः मन्त्र येन**
   b. **दितारोगान्ते नश्यन्त्यस्य चाज्ञया १ ॐ ऐं श्रीं ह्रां ह्रीं ह्रुं स्फ्रें/म्फ्रें ख्फ्रें हसौं /हमौं ख्फ्रें हस्रौं ॐ नमो हनुमते महाबल पराक्रम मम परस्य च भूत-प्रेत-पिशाच-शाकिनी-डाकिनि-यक्षि-**
   c. **णी-पूतना-मारी-महामारी-कृ-**

Page 18 Slokas L18.01 to L18.10

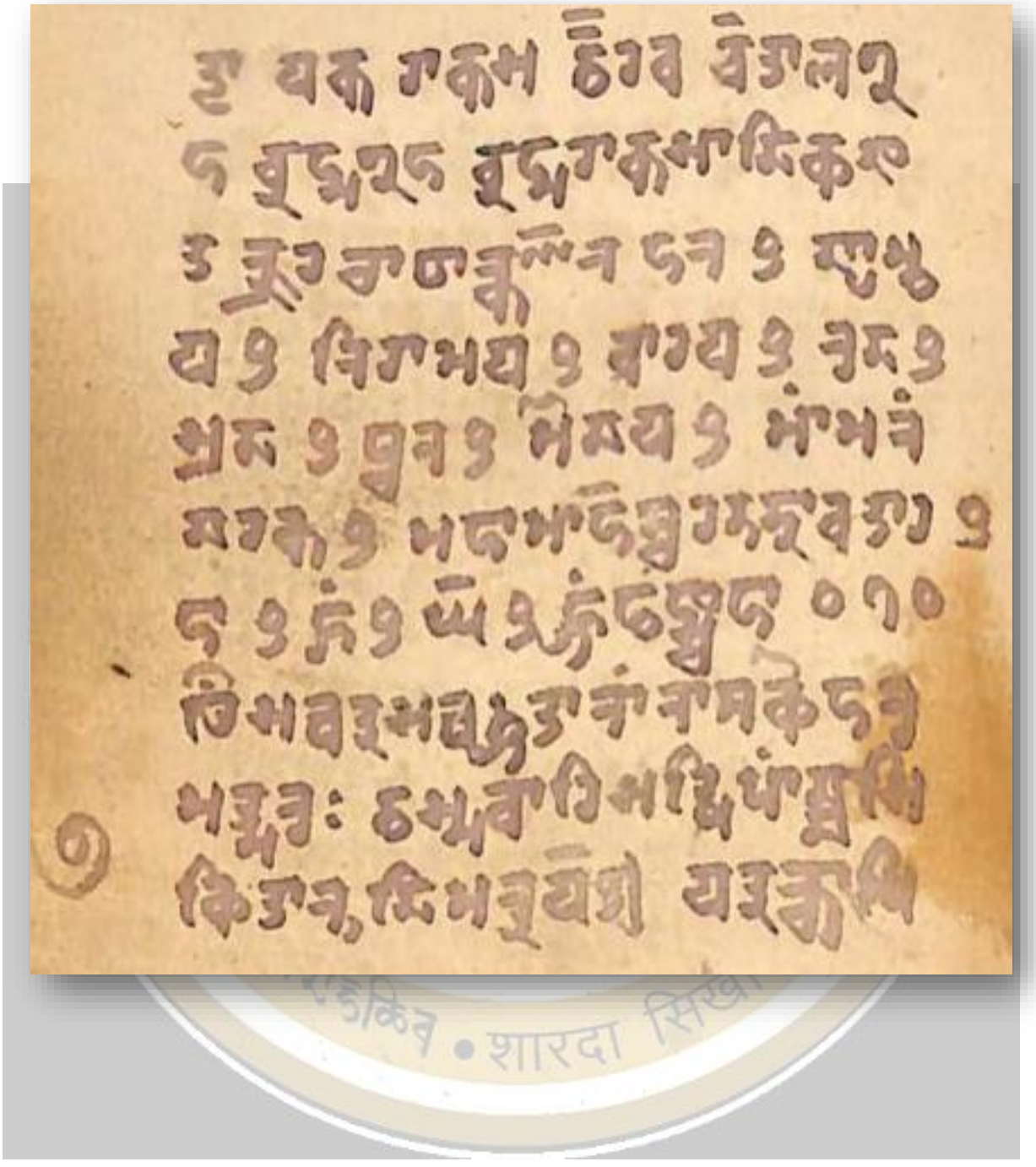

Sarada to Devanagari transliteration

Date	5th August, 2020

L18.01	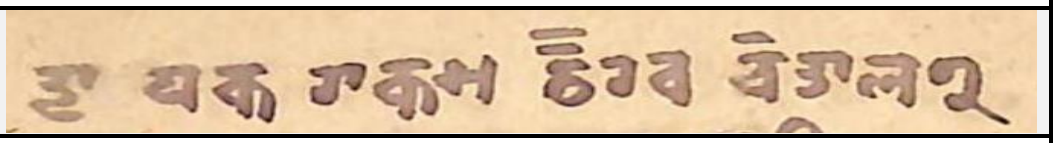
A18.01	1 त्या 2 य 3 क्ष 4 रा 5 क्ष 6 स 7 भै 8 र 9 व 10 वे 11 ता 12 ल 13 ग्र
B18.01	त्या यक्ष-राक्षस-भैरव-वेताल-ग्र-
L18.02	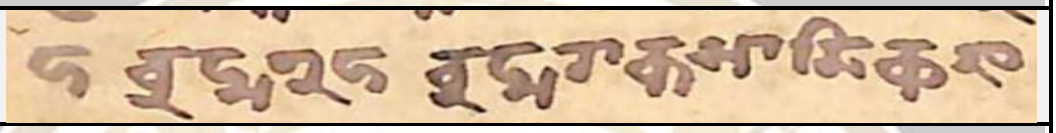
A18.02	1 ह 2 ब्र 3 ह्म 4 ग्र 5 ह 6 ब्र 7 ह्म 8 रा 9 क्ष 10 सा 11 दि 12 क 13 जा
B18.02	ह-ब्रह्मग्रह-ब्रह्मराक्षसादिकजा-
L18.03	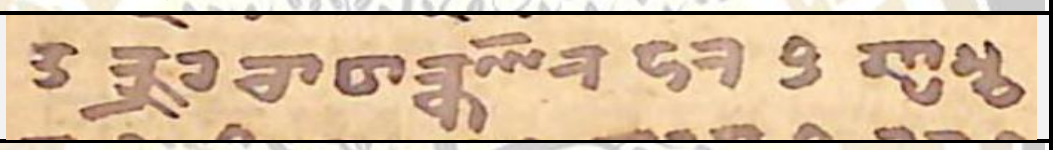
A18.03	1 त 2 क्रू 3 र 4 बा 5 धा 6 न्क्ष 7 णे 8 न 9 ह 10 न 11 २ 12 जृ 13 म्भ
B18.03	तक्रूरबाधान्क्षणेन हन - २ जृम्भ-
L18.04	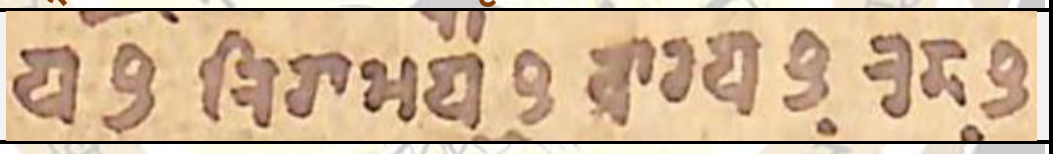
A18.04	1 य 2 -२ 3 नि 4 रा 5 म 6 य - 7 २ 8 वा 9 र 10 य 11 - २ 12 नु 13 द 14 - २
B18.04	य -२ निरामय - २ वारय - २ नुद - २
L18.05	
A18.05	1 सु 2 द 3 २ 4 ध्व 5 न 6 २ 7 मो 8 च 9 य 10 २ 11 मां 12 म 13 नं
B18.05	सुद- २ ध्वन - २ मोचय - २ मां मनं(नः)

Sarada to Devanagari transliteration

Date	4th August, 2020 (continued…)

L18.06	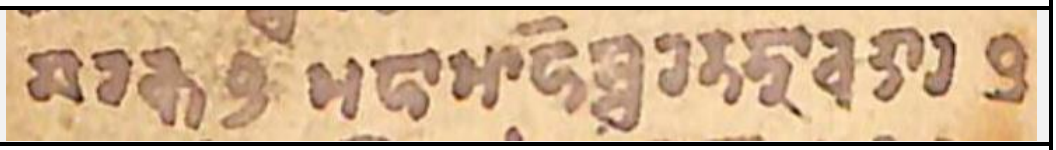															
A18.06	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
	च	र	क्ष	२	म	हा	मा	हे	श्व	र	रु	द्रा	व	ता	र	२
B18.06	च रक्ष -२ महामाहेश्वररुद्रावतार - २															
L18.07	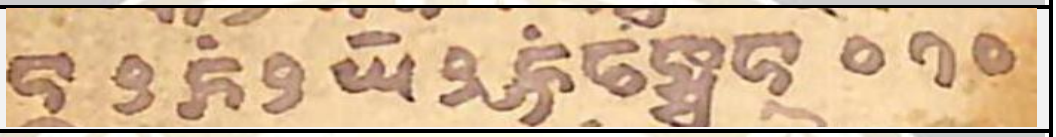															
A18.07	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10		11	12	13		
	हा	२	हुं	२	घे	२	हुं	फ	ट्स्वा	हा		१	७	०		
B18.07	हा-२ हुं -२ घे -२ हूं फट् स्वाहा १७०															
L18.08	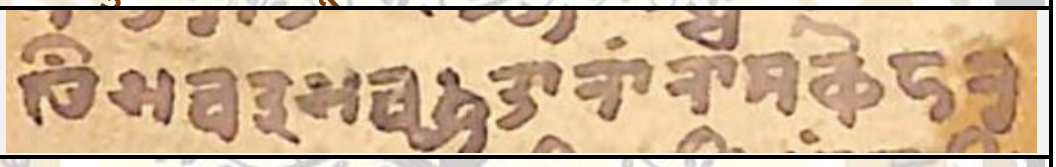															
A18.08	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14		
	ॐ	स	र्व	त्र	स	र्व	भू	ता	नां	ना	श	को	ह	नु		
B18.08	ॐ सर्वत्र सर्वभूतानां नाशको हनु-															
L18.09	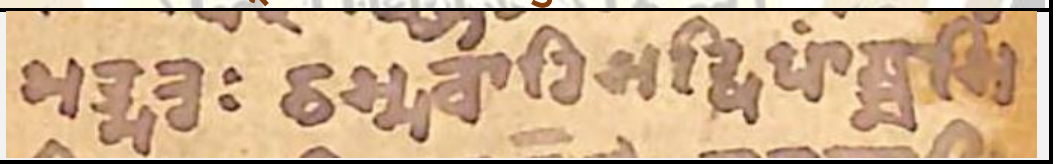															
A18.09	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12				
	म	त्म	न्व	भ	स्म	वा	रि	स	र्षि	पां	च्च	सि				
B18.09	मत्मन्वः भस्मवारिसर्षिपां च्चसि-															
L18.10	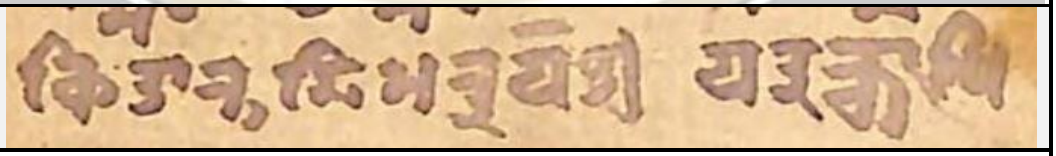															
A18.10	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12				
	कि	ता	न	दि	म	न्त्र	ये	त्	य	त्र	क्वा	पि				
B18.10	किता न दि (अभि) मन्त्रयेत् यत्र क्वापि															

Date	5th August, 2020 (continued…)

1. Whatever is given in brackets comes from previous page 17.11.
2. Line **18.05** grammatically **मनश्च** will be better, rather than putting **मनं च**।
3. Line **18.10** - 1st word, that can be **अभिमन्त्रयेत्**, unsure about **च्चसिकितान्** - **च्चसिकानुदि**.
4. Version – 3:
   a. **भूत-प्रेत-पिशाच-शाकिनी-डाकिनि-यक्षिणी-पूतना-मारी-महामारी-कृ..]-त्या यक्ष-राक्षस-भैरव-वेताल-ग्रह-ब्रह्मग्रह-ब्रह्मराक्षसादिकजातक्रूरबाधान्क्षणेन हन - २, जृम्भय - २, निरामय - २, वारय - २, नुद - २, सुद - २, ध्वन - २, मोचय - २, मां मनं च रक्ष -२, महामाहेश्वररुद्रावतार - २, हा - २, हुं - २, घे - २, हूं फट् स्वाहा १७०. ॐ सर्वत्र सर्वभूतानां नाशको हनुमत्मन्वः भस्मवारिसर्षिपां च्चसिकिता न दि (अभि) मन्त्रयेत् यत्र क्वापि**

Sarada to Devanagari transliteration